DD

RNI No. DLHIN/25/A2321

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

दिव्य दिल्ली

वर्ष: 01, अंक: 30, पृष्ठ: 08

infodivyadelhi@gmail.com

शुक्रवार, 10 अक्टूबर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री

सूर्योदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

भारत-ब्रिटेन में निवेश सहित 12 बिन्दुओं पर सहमति

राजेश चौहान
नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच गुरुवार को हुई उच्चस्तरीय वार्ता में प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, शिक्षा, व्यापार एवं निवेश, जलवायु, स्वास्थ्य और अनुसंधान के क्षेत्रों में 12 नई पहल और समझौतों की शुरूआत हुई। दोनों देशों ने इन समझौतों के माध्यम से द्विपक्षीय सहयोग को और गहराई देने तथा साझा विकास के अवसरों को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए एक मजबूत और स्थायी साझेदारी के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने आज मुंबई में व्यापक वार्ता की। दोनों पक्षों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के नए अवसरों की पहचान की। चर्चा में भारत-ब्रिटेन संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई, जिसमें व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए), निवेश, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार, हरित ऊर्जा और जलवायु कार्रवाई, रक्षा और सुरक्षा तथा लोगों के बीच संबंध शामिल थे। उन्होंने हिंद-प्रशांत, यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति सहित प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत-यूके व्यापक आर्थिक व्यापार समझौता (सीईटीए) एक अभूतपूर्व पहल है। यह युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा, व्यापार का विस्तार करेगा और हमारे उद्योगों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभान्वित करेगा। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री स्टार्मर और उन्होंने आने वाले समय में हमारे देशों के बीच व्यापारिक संबंधों और आर्थिक संबंधों पर चर्चा की।

आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा

जलवायु प्रौद्योगिकी स्टार्टअप फंड में संयुक्त निवेश से जुड़ा एक नया समझौता हुआ, जो जलवायु प्रौद्योगिकी और एआई जैसे क्षेत्रों में नवाचारी उद्यमियों को प्रोत्साहन देगा। स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और ब्रिटेन की नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ एंड केयर रिसर्च (एनआईएचआर) के बीच आशय पत्र पर भी हस्ताक्षर किए गए। इससे पहले मुंबई के राजभवन में अपने मित्र, प्रधानमंत्री कीर स्टारमर का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हुई। उनकी पहली भारत यात्रा होने के कारण, यह निश्चित रूप से एक विशेष अवसर है। भारत में सबसे बड़े व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति इसे और भी खास बनाती है।

ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी

हमारी बातचीत में प्रमुखता से शामिल हुए अन्य मुद्दों में प्रौद्योगिकी, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सतत विकास, नवीकरणीय ऊर्जा आदि शामिल थे। विभिन्न ब्रिटिश विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से मिलकर भी हमें बहुत खुशी हुई। हम ब्रिटेन के साथ शैक्षिक और सांस्कृतिक संबंधों को और आगे बढ़ाते रहेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत-यूके कनेक्टिविटी एवं इनोवेशन सेंटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित संयुक्त केंद्र, महत्वपूर्ण खनिज उद्योग गिल्ड और आईआईटी-आईएसएम धनबाद में एक नए सेटलाइट परिसर की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला वेधशाला के दूसरे चरण और जैव-चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम के तीसरे चरण का शुभारंभ भी किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में बेंगलुरु में लैंकेस्टर विश्वविद्यालय का परिसर खोलने के लिए आशय पत्र सौंपा गया, जबकि गिफ्ट सिटी में सरे विश्वविद्यालय का परिसर स्थापित करने को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। व्यापार एवं निवेश के क्षेत्र में पुनर्गठित भारत-यूके सीईओ फोरम की उद्घाटन बैठक हुई और संयुक्त आर्थिक व्यापार समिति का पुनर्गठन किया गया, जिससे सीईटीए के कार्यान्वयन में सहयोग मिलेगा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया समकालीन प्रौद्योगिकी में रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमत

नई दिल्ली। दो दिवसीय यात्रा पर ऑस्ट्रेलिया गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने समकक्ष रिचर्ड मार्लेस के साथ कई अहम मुद्दों पर द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा, संयुक्त समुद्री सुरक्षा सहयोग, द्विपक्षीय रक्षा ढांचे का विस्तार करने के रोडमैप पर चर्चा की। मंत्रियों ने ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग में चल रही प्रगति का स्वागत किया। दोनों पक्ष समकालीन प्रौद्योगिकी में रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी सहमत हुए।

अगस्त 2027 तक पटरियों पर दौड़ने लगेगी बुलेट ट्रेन: रेल मंत्री वैष्णव

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि अगस्त 2027 तक देश की पहली बुलेट ट्रेन पटरियों पर दौड़ने लगेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए काम पूरी गति से चल रहा है और जल्द ही इसके पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में केवल गुजरात में 2764 किलोमीटर का रेलवे ट्रैक बिछाया गया है। रेलवे ने गुजरात में भारी निवेश किया है। 86 नए रेलवे स्टेशन को बनाया जा रहा है और 332 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाये जा रहे हैं। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि गुजरात ने जिस तरह की शानदार प्रगति की है, वह पूरी दुनिया में अध्ययन का विषय बन गई है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहिए।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में देश और दुनिया के निवेशकों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राज्य के औद्योगिक इकाइयों को गति देने के लिए फ्रेट कॉरोडोर में प्रतिदिन लगभग 400 ट्रेन चल रही हैं। 31 प्रोजेक्ट्स की डीपीआर बन रही है और इनके माध्यम से गुजरात में भारी निवेश होगा। इससे गुजरात के रेलवे ट्रैक को और अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जल्द ही गुजरात के बने सेमीकंडक्टर पूरे दुनिया में उपयोग किये जायेंगे। इस क्षेत्र में 1.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है, जबकि जापान की कई बड़ी कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हमें क्वालिटी को लेकर और अधिक जागरूकता चाहिए।

वकील द्वारा जूता फेंके जाने के मामले में बोले सीजेआई: 'हमारे लिए अब यह बीता अध्याय है'

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर बीते सोमवार को 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर द्वारा जूता फेंकने की कोशिश करने के मामले में देशभर में चर्चा तेज है। ऐसे में सीजेआई गवई ने गुरुवार को इस मामले में फिर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सोमवार को जो कुछ हुआ, उससे मैं और मेरे साथी जस्टिस विनोद चंद्रन बहुत स्तब्ध रह गए। हालांकि, अब यह हमारे लिए एक भूला हुआ अध्याय है। गवई ने मामले को आगे न बढ़ाने का संकेत भी दिया। बता दें कि यह टिप्पणी उस समय आई जब अदालत वनाशक्ति फैसले से जुड़े पुनर्विचार याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी। इस बेंच में जस्टिस उज्जल भुयान भी शामिल थे। उन्होंने वकील राकेश किशोर के इस हरकत पर सख्त प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस हरकत पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट का अपमान बताया। मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस हरकत को अक्षम्य बताया और सीजेआई की गरिमा और संयम की प्रशंसा की। वहीं वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मामले को यहीं खत्म करने की बात कही।

> सोमवार को जो कुछ हुआ उससे मैं और मेरे साथी बहुत स्तब्ध हैं। हमारे लिए यह एक भुला दिया गया अध्याय है।
>
> सीजेआई न्यायमूर्ति बीआर गवई

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, ये पूरा मामला तब प्रकाश में आया जब बीते सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर ने सीजेआई गवई की ओर जूता फेंकने की कोशिश की थी।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने समाप्त की राकेश किशोर की सदस्यता

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले वकील राकेश किशोर की अस्थायी सदस्यता निलंबित कर दी है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की बैठक में इस आशय का फैसला किया गया।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने उच्चतम न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिखकर कहा है कि राकेश किशोर का उच्चतम न्यायालय में प्रवेश पर रोक लगाई जाए और उसके प्रॉक्सिमिटी कार्ड को निरस्त किया जाए। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने अपने बयान में कहा है कि कोर्ट के एक अधिकारी के रूप में राकेश किशोर का व्यवहार प्रोफेशनल एथिक्स के खिलाफ है।

बिहार में अपने झूठे प्रचार अभियान के लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए: भाजपा

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि राहुल गांधी को बिहार में अपने झूठे प्रचार अभियान के लिए माफी मांगनी चाहिए। भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने बिहार में घूम-घूमकर वोट चोरी के झूठे आरोप लगाए और उन्होंने विशेष पुर्ननिरीक्षण (एसआईआर) का विरोध किया था। हमने तब भी कहा था कि राहुल गांधी एसआईआर का विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे घुसपैठियों को संरक्षण देते हैं। उन्होंने कहा कि 8 अक्टूबर को बिहार चुनाव आयोग और वहां के अधिकारियों ने सूची

सार्वजनिक की है। ये सूची स्पष्ट करती है कि कांग्रेस और आरजेडी के एक भी कार्यकर्ता ने, एक भी बूथ लेवल एजेंट ने बिहार में फाइनल इलेक्टोरल लिस्ट पर एक भी अपील नहीं की है। इस जीरो अपील के आधार पर हम कह सकते हैं कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया में उन्हें कोई विरोधाभास नहीं दिखा है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि जो मुद्दा राहुल गांधी ने बिहार चुनाव में बनाने का प्रयास किया था, वो जमीन पर कोई मुद्दा है ही नहीं। यह राहुल गांधी के झूठे प्रचार का पूरी तरह से पर्दाफाश करता है। प्रदीप भंडारी ने कहा कि जो मुद्दा राहुल गांधी उठाते हैं, उसमें न राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को विश्वास होता है और न ही कांग्रेस की बिहार यूनिट को। र राहुल गांधी का ये प्रोपेगेंडा पूरी तरह झूठा साबित हुआ। राहुल गांधी को बिहार की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। 26/11 आतंकी हमले के सवाल पर प्रदीप भंडारी ने कहा कि आतंकी हमले का जवाब देने के लिए सेना पूरी तरह से तैयार थी लेकिन उन्हें रोका गया।

2022 से पहले भ्रूण फ्रीज, तो सरोगेसी कानून से छूट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मां-बाप कौन बनेगा, यह सरकार तय नहीं कर सकती

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि 2022 से पहले अगर महिला ने भ्रूण (फर्टिलाइज एग्स) फ्रीज करा दिया है तो उसे सरोगेसी कानून के तहत एज लिमिट से छूट मिल सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सरकार की तरफ से बढ़ती उम्र को चिंता का कारण बताने पर फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा- कौन मां-बाप बन सकता है, ये सरकार तय नहीं कर सकती क्योंकि नेचुरल प्रोसेस में भी कोई एज लिमिट नहीं है। दरअसल, यह पूरा मामला सरोगेसी कानून 2021 से जुड़ा है, जो जनवरी 2022 में

लागू हुआ था। कानून के मुताबिक, जिन पुरुष की आयु 26-55 साल और महिला की आयु 23-50 साल के बीच है, उन्हीं को सरोगेसी की परमिशन होगी। इस कानून के खिलाफ कई याचिकाएं लगाई गईं। मुख्य याचिकाकर्ता चेन्नई बेस्ड इन्फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ अरुण मुथुवेल हैं, जिन्होंने कॉमर्शियल सरोगेसी पर बैन हटाने की भी मांग की थी। कोर्ट ने महीनों चली सुनवाई के बाद जुलाई 2025 में फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कानून बनने से पहले दंपत्तियों ने जब अपना भ्रूण फ्रीज कराया तब कोई कानूनी उम्र सीमा लागू नहीं थी। इसलिए उनके पास सरोगेसी का अधिकार पहले से बना हुआ था। ऐसे में नया कानून पिछले मामलों पर लागू नहीं किया जा सकता। सरोगेसी तब शुरू मानी जाएगी जब दंपति के गैमेट्स (स्पर्म और एग) निकाल लिए गए हों और भ्रूण तैयार कर फ्रीज कर दिया गया हो। इसके बाद दंपति का काम पूरा हो जाता है। आगे का प्रोसेस सिर्फ सरोगेट मां से संबंधित है।कोर्ट ने सरकार के उस तर्क को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि बुजुर्ग माता-पिता बच्चों की देखभाल नहीं कर पाएंगे। इसलिए उम्र सीमा जरूरी है।

स्पेक्ट्रम की कीमतें तय होने के बाद देश में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू होंगी: सिंधिया

नई दिल्ली

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) से स्पेक्ट्रम की कीमतें तय होने के बाद देश में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू होंगी। इसके पहले कंपनियों को भी अपनी योजना को अंतिम रूप दिया जाना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दो कंपनियों को उपग्रह संचार सेवाओं के लिए लाइसेंस दिए गए हैं, जबकि एक अन्य को आशय पत्र (एलओआई) जारी किया गया है। नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी 2025) में पत्रकारों के साथ बातचीत में केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा कि यह कंपनियों पर निर्भर करता है कि वे कितनी जल्दी अपनी क्रियान्वयन रणनीति लागू कर पाती हैं। हालांकि, उन?होंने कहा कि एक मुद्दा यह है कि ट्राई को अभी स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण को अंतिम रूप देना है। यह लंबित हिस्सा है और नियामक इसे पूरा करेगा। वोडाफोन आइडिया को राहत दिए जाने के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कर्ज में डूबी इस कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी बढ़ाने की किसी भी योजना से इनकार किया। इससे पहले दूरसंचार मंत्री ने भारत मोबाइल कांग्रेस 2025 के दूसरे दिन की शुरूआत भारत के दूरसंचार दृष्टिकोण को रेखांकित करने के लिए हितधारकों के साथ नेतृत्व संवाद के साथ किया।

सभी ठोस कचरे को सड़क निर्माण में उपयोग करने की योजना: गडकरी

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि साल 2027 तक देश के सभी ठोस कचरे को सड़क निर्माण में उपयोग करने की सरकार की योजना है। इस 'कचरे से धन' (वेस्ट टू वेल्थ) पहल के तहत अब तक 80 लाख टन कचरा चिह्नित कर सड़क परियोजनाओं में उपयोग किया जा चुका है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ टिकाऊ बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। गडकरी ने गुरुवार को यहां पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के 120वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की योजना 2027 के अंत तक देश में उपलब्ध सभी ठोस कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में करने की है। उन्होंने कहा कि हम पहले ही 80 लाख टन कचरे को अलग कर उसके माध्यम से सड़कों का निर्माण कर रहे हैं। कचरे के ढेर अब संसाधन बन रहे हैं। गडकरी ने वैकल्पिक ईंधनों पर

कहा कि जैव ईंधन, इथेनॉल, हाइड्रोजन, मेथनॉल, बायोडीजल, एलएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में नवाचारों के चलते भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2014 में भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग 14 लाख करोड़ रुपये का था, जो अब बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये का हो गया है। इस क्षेत्र में भारत अब अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले पांच वर्षों में भारत इस क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बन सकता है। गडकरी ने कहा कि टू-व्हीलर निमार्ताओं जैसे हीरो, होंडा, बजाज और टीवीएस अपनी 50 प्रतिशत उत्पादन क्षमता का निर्यात कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कृषि और निर्माण उपकरण निमार्ताओं को नवाचार व पर्यावरण अनुकूल तकनीक अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश का सालाना पेट्रोलियम, डीजल और गैस आयात बिल 22 लाख करोड़ रुपये का है, जिसे वैकल्पिक ईंधनों के माध्यम से कम किया जा सकता है। यदि इस आयात में से 15 लाख करोड़ रुपये की बचत होती है, तो यह धनराशि देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में उपयोग की जा सकती है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा साझेदारी के लिए तीन प्रमुख समझौतों पर किये हस्ताक्षर

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करके अपनी यात्रा शुरू की। पहले दिन विदेश मंत्री पेनी वोंग और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से मुलाकात करके द्विपक्षीय बैठकें कीं। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर करके अपनी रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बढ़ती भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने

और व्यापार, प्रौद्योगिकी, संपर्क और क्षेत्रीय सुरक्षा सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा साझेदारी को मजबूत करने के लिए तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं, जो सूचना साझाकरण समझौता, पनडुब्बी खोज एवं बचाव सहयोग पर समझौता ज्ञापन और संयुक्त स्टाफ वार्ता की स्थापना से संबंधित हैं। इन समझौतों का उद्देश्य दोनों सशस्त्र बलों के बीच परिचालन समन्वय, समुद्री सुरक्षा सहयोग और अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना है। सैन्य अभ्यास, रक्षा उद्योग सहयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और बहुपक्षीय सहयोग में द्विपक्षीय पहलों पर भी चर्चा हुई।

असम में भाजपा को लगा झटका, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता राजेन गोहेन समेत 18 नेताओं का इस्तीफा

डिब्रूगढ़

असम में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और चार बार के भाजपा सांसद राजेन गोहेन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ कुल 17 अन्य सदस्यों ने भी पार्टी से अपना त्यागपत्र सौंपा। राजेन गोहेन ने यह फैसला राज्य भाजपा अध्यक्ष

दिलीप सैकिया को लिखे पत्र में बताया, जिसमें उन्होंने कहा कि वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी जिम्मेदारियों से तुरंत प्रभाव से हट रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, इस्तीफा देने वाले अधिकांश सदस्य ऊपरी और मध्य असम से हैं। राजेन गोहेन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि पार्टी ने 'असम के लोगों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया।

आईएएस अमनीत पी कुमार ने सीएम सैनी से की चार मांग

पूरण कुमार आत्महत्या मामला: डीजीपी शत्रुजीत कपूर पर गिर सकती है गाज

चंडीगढ़

हरियाणा के एडीजीपी आईपीएस वाई पूरण कुमार की आत्महत्या के मामले में जल्द सरकार बड़ा एक्शन ले सकती है। सूत्रों के अनुसार, डीजीपी शत्रुजीत कपूर को हटाया जा सकता है। कपूर की जगह नए कार्यवाहक डीजीपी की जल्द नियुक्ति हो सकती है। डीजीपी शत्रुजीत कपूर मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिलने मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचे हैं। सीएम नायब सैनी वीरवार को सेक्टर 24 स्थित आईएएस अमनीत पी कुमार के आवास पर पहुंचे और उनके पति आईपीएस वाई पूरन कुमार के निधन पर शोक जताया। सैनी करीब 45 मिनट रूके और फिर बिना कुछ कहे रवाना हो गए। सीएम के साथ वरिष्ठ आईएएस राजेश खुल्लर भी थे। जानकारी के अनुसार, सीआईडी चीफ एडीजीपी सौरभ सिंह ने एयरपोर्ट पर सीएम को पूरे मामले के बारे में ब्रीफ किया है। सूत्रों के अनुसार, डीजीपी शत्रुजीत कपूर भी इस दौरान मौजूद रहे। इससे पहले वहीं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार और आईएएस अधिकारी विजय दहिया अमनीत पी कुमार के आवास पर पहुंचे हैं।

अमनीत पी कुमार ने सीएम को भेजा पत्र

वहीं वाई पूरण कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में उनकी पत्नी और हरियाणा कैडर की आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार ने मुख्यमंत्री को एक भावनात्मक और तीखा पत्र लिखकर डीजीपी और अन्य शीर्ष अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मांग की है कि आत्महत्या नोट में नामित सभी आरोपियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज कर उन्हें निलंबित और गिरफ्तार किया जाए, ताकि जांच निष्पक्ष हो सके। अमनीत ने अपने पत्र में लिखा है कि उनके पति वाई. पूरण कुमार एक ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और सम्मानित अधिकारी थे, जिन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक से भी सम्मानित किया गया था।

पूरण कुमार: अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले एक प्रेरणास्रोत अधिकारी थे

पूरण कुमार अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले एक प्रेरणास्रोत अधिकारी थे, जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों में न्याय और समानता की भावना जगाई। पत्र में कहा गया है कि कि आत्महत्या नोट में साफ-साफ उन अफसरों के नाम दर्ज हैं जिन्होंने मेरे पति को लगातार मानसिक प्रताड़ना, अपमान और उत्पीड़न झेलने को मजबूर किया। यह नोट उनके डाइंग डिक्लेरेशन (अंतिम बयान) के रूप में है और इसे कानूनी सबूत माना जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के 48 घंटे बीत जाने के बावजूद चंडीगढ़ पुलिस ने अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की है, जबकि शिकायत और सुसाइड नोट दोनों में संज्ञेय अपराध का स्पष्ट उल्लेख है। उन्होंने लिखा कि आरोपियों के प्रभाव के चलते पुलिस कार्रवाई से बच रही है।

अमनीत ने मुख्यमंत्री से चार प्रमुख मांगें रखी हैं

आत्महत्या नोट और शिकायत में नामित सभी आरोपियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। आरोपियों को फौरन निलंबित और गिरफ्तार किया जाए, ताकि वे सबूतों से छेड़छाड़ या दबाव न बना सकें। दिवंगत अधिकारी के परिवार को आजीवन सुरक्षा दी जाए, खासकर उनकी दो बेटियों को। परिवार को किसी तरह की प्रताड़ना या बदनाम करने के प्रयासों से बचाया जाए। पत्र में अमनीत ने लिखा कि यह सिर्फ एक अधिकारी की मौत का मामला नहीं है, बल्कि न्याय और समानता में विश्वास की परीक्षा है। यदि इतने ईमानदार अधिकारी को भी न्याय नहीं मिल सका, तो यह समाज के लिए बड़ा सवाल है।

सीएम सैनी व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप कर न्याय सुनिश्चित करें: अमनीत पी

मुख्यमंत्री से अपील की है कि वे व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप कर न्याय सुनिश्चित करें, ताकि न्याय न केवल मिले बल्कि होते हुए दिखे। इस पूरे मामले ने हरियाणा पुलिस के शीर्ष स्तर पर हलचल मचा दी है। अनुसूचित जाति समुदाय के कई संगठनों ने भी इस प्रकरण की न्यायिक जांच और डीजीपी पर कार्रवाई की मांग उठाई है।

राहुल गांधी आ सकते हैं चंडीगढ़

वहीं सूत्रों के हवाले से सामने आ रहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी अगले एक दो दिन में आईपीएस वाई पूरण कुमार के परिवार से मुलाकात करने आ सकते हैं।

पोस्टमार्टम पर संशय

वहीं वाई पूरण कुमार के पोस्टमार्टम पर संशय बना हुआ है। सूत्रों के अनुसार, कुमार की पत्नी आईएएस अमनीत पी कुमार डीजीपी शत्रुजीत कपूर और एसपी रोहतक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को लेकर अड़ी हुई हैं। इसके बाद ही वे पोस्टमार्टम प्रक्रिया शुरू करने की सहमति देंगी। पूरण कुमार अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले एक प्रेरणास्रोत अधिकारी थे, जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों में न्याय और समानता की भावना जगाई। पत्र में कहा गया है कि कि आत्महत्या नोट में साफ-साफ उन अफसरों के नाम दर्ज हैं जिन्होंने मेरे पति को लगातार मानसिक प्रताड़ना, अपमान और उत्पीड़न झेलने को मजबूर किया। यह नोट उनके डाइंग डिक्लेरेशन (अंतिम बयान) के रूप में है और इसे कानूनी सबूत माना जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के 48 घंटे बीत जाने के बावजूद चंडीगढ़ पुलिस ने अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की है।

केदारनाथ में अब तक 16 लाख 56 हजार दर्शनार्थियों ने किए दर्शन, बना नया रिकॉर्ड

देहरादून

उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा और मौसम की दुश्वारियों के बीच केदारनाथ की यात्रा में इस वर्ष दर्शनार्थियों का नया रिकार्ड बना है। इस साल अभी तक धाम में दर्शनार्थियों की संख्या 16 लाख 56 हजार के पार हो गई है। पिछले वर्ष केदारनाथ में 16 लाख 52 हजार 76 श्रद्धालुओं ने दर्शन किये थे। इस वर्ष केदारनाथ के कपाट 23 अक्तूबर को परंपरानुसार भैयादूज के पर्व पर बंद होने है, ऐसे में यात्रा के शेष 14 दिनों में यात्रियों की संख्या सत्रह लाख से अधिक पहुंचने की उम्मीद है। अक्टूबर माह के शुरू के आठ दिन में ही 59754 यात्रियों ने धाम में दर्शन किये हैं। इस वर्ष 2 मई से केदारनाथ यात्रा शुरू हुई थी। कपाट खुलने के दिन ही धाम में 30,154 शिव भक्तों ने दर्शन किए थे, जो केदारनाथ यात्रा के इतिहास में नया रिकार्ड था। पहले दिन से ही देश-विदेश से पहुंचने वाले यात्रियों का उत्साह अपने चरम पर रहा। यात्रा में पैदल मार्ग से हवाई मार्ग तक यात्रियों की भीड़ रही। मंदिर समिति को भक्तों की भीड़ को देखते हुए मंदिर 22 घंटे तक खुला रखना पड़ा, जिसमें 16 घंटे से अधिक समय तक यात्रियों को दर्शनों कराए गए। जून में मौसम की दुश्वारियों और हेलीकॉप्टर क्रैश होने के बाद भी पैदल यात्रा का उत्साह बना रहा। भले ही मई की तुलना में यात्री कम पहुंचे। बरसात में गौरीकुंड हाईवे के कई जगहों पर बार-बार बाधित होने से यात्रा को कई दिन रोकना पड़ा। हालात यह रहे कि अगस्त माह में सिर्फ 31 हजार श्रद्धालु केदारनाथ पहुंचे। मानसून की रफ्तार थमने और 15 सितंबर से यात्रा का दूसरा चरण शुरू होते ही यात्रियों की संख्या में भी इजाफा होने लगा। वहीं, इस सप्ताह बीते तीन दिनों से केदारनाथ में बर्फबारी के बीच बाबा केदार के भक्तों का उत्साह जोरों पर है। केदारनाथ में मौजूद बीकेटीसी के सदस्य डॉ. विनीत पोस्ती ने बताया कि खराब मौसम के बाद भी धाम में यात्रियों की अच्छी संख्या बनी हुई है। केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद होने में 14 दिन शेष हैं, ऐसे में उम्मीद है कि दर्शनार्थियों की संख्या साढ़े सत्रह लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों के भोजन और रात्रि प्रवास का बेहतर इंतजाम किया जा रहा है। एसडीएम अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि केदारनाथ यात्रा में जुलाई-अगस्त में कुछ ही दिन खराब मौसम के कारण यात्रा बंद थी, लेकिन दर्शन करने वाले श्रद्धालु नियमित रहे।

कफ सिरप से बच्चों की मौत मामले पर सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय मध्यप्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले पर सुनवाई को तैयार हो गया है। चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष गुरुवार को इस मामले की जल्द सुनवाई के लिए मेंशन किया गया। इसके बाद कोर्ट ने 10 अक्टूबर को सुनवाई करने का आदेश दिया। दरअसल, वकील विशाल तिवारी ने याचिका दायर कर मांग की है कि बच्चों की मौत के मामलों की कोर्ट की निगरानी में जांच का आदेश दिया जाए। याचिका में मांग की गई है कि इस मामले में दर्ज एफआईआर और जांच सीबीआई को सौंपी जाए।

याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर एक न्यायिक आयोग या विशेषज्ञों का टास्क फोर्स गठित करने का दिशा-निर्देश जारी किया जाए। तमिलनाडु में निर्मित कोल्ड्रिफ सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) नामक नामक रसायन तय से अधिक मात्रा में मिलाए जाने की वजह से मध्यप्रदेश और राजस्थान के 16 बच्चों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप की गाजा शांति योजना के पहले चरण पर समझौते का स्वागत किया

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा शांति योजना के पहले चरण पर हुए समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होगा। यह समझौता इजरायल और हमास के बीच दो साल से चल रहे संघर्ष के बाद हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में कहा कि "हम राष्ट्रपति ट्रंप की शांति योजना के पहले चरण पर हुए समझौते का स्वागत करते हैं। यह प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सशक्त नेतृत्व का भी प्रतीक है। हमें उम्मीद है कि बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता में वृद्धि से उन्हें राहत मिलेगी और स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर गाजा शांति समझौते के पहले चरण की घोषणा करते हुए लिखा, "मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि इजराइल और हमास दोनों ने हमारी शांति योजना के पहले चरण पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि सभी बंधकों को बहुत जल्द रिहा कर दिया जाएगा और इजराइल एक मजबूत, टिकाऊ और चिरस्थायी शांति की ओर पहला कदम उठाते हुए एक सहमत रेखा पर अपने सैनिकों को वापस बुला लेगा। सभी पक्षों के साथ निष्पक्ष व्यवहार किया जाएगा। यह अरब और मुस्लिम जगत, इजराइल, सभी आसपास के देशों और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक महान दिन है और हम कतर, मिस्र और तुर्की के मध्यस्थों का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने इस ऐतिहासिक और अभूतपूर्व घटना को संभव बनाने के लिए हमारे साथ काम किया।

टीएचई वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स-2026 में आईपीयू ने बनाई जगह

विश्व के शीर्ष एक हजार विश्वविद्यालयों और भारत के शीर्ष 28 संस्थानों की सूची में हुआ शामिल

नई दिल्ली

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू), दिल्ली ने वैश्विक शिक्षा जगत में अपनी पहचान मजबूत करते हुए टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स-2026 में 801-1000 बैंड में जगह बनाई है। यह विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिसने पहली बार इन प्रतिष्ठित रैंकिंग्स में प्रवेश किया है।

इस रैंकिंग के साथ आईपीयू अब विश्व के शीर्ष एक हजार विश्वविद्यालयों और भारत के शीर्ष 28 संस्थानों की सूची में शामिल हो गया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध गुणवत्ता और सामाजिक योगदान की दिशा में निरंतर प्रयासों का प्रमाण है।

कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) महेश वर्मा ने उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए कहा कि टीएचई वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में पहली उपस्थिति गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और दिल्ली के पूरे शैक्षणिक समुदाय के लिए गर्व का क्षण है। यह गहरी संस्थागत प्रतिबद्धता को दशार्ता है जो शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध तीव्रता और सामाजिक प्रासंगिकता के प्रति है। कुलपति ने बताया कि आईपीयू का लक्ष्य है कि वह अपनी अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को और मजबूत करे, अंतःविषय शोध को बढ़ावा दे और विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण के साथ अपनी संस्थागत वृद्धि को संरेखित करे।

उपलब्धि की विशेषताएं : टीएचई के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर मूल्यांकन में आईपीयू ने 35.5 से 38.9 के बीच का समग्र स्कोर हासिल किया। इसके अलावा विश्वविद्यालय को ह्यरिसर्च क्वालिटी श्रेणी में विश्व स्तर पर 488वां स्थान प्राप्त हुआ। जीजीएसआईपीयू ने 84.5 का साइटेशन इम्पैक्ट स्कोर और 71.8 का रिसर्च एक्सीलेंस स्कोर हासिल किया, जो शोध के प्रभाव और उत्पादकता को दर्शाता है।

प्रदेश में 100 स्कूलों में अगले सत्र से लागू होगा सीबीएसई पैटर्न : मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गुरूवार को शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार अगले शैक्षणिक सत्र से प्रथम चरण में प्रदेश के 100 स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम के अनुरूप संचालित करेगी। उन्होंने शिक्षा विभाग को इस संबंध में सभी तैयारियां तय समय के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन स्कूलों की अपनी अलग पहचान होगी। यहां अलग रंग की वर्दी होगी और भवनों का भी अलग रंग तय किया जाएगा। साथ ही इन स्कूलों में स्मार्ट कक्षाएं स्थापित की जाएंगी और छात्रों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध करवाने के लिए मैस की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि अब तक 86 स्कूलों की पहचान की जा चुकी है, जो सीबीएसई के मानकों को पूरा करते हैं। श्री सुक्खू ने शेष स्कूलों में भी जल्द सभी मापदंड पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है और इसके लिए धन की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। शिक्षा विभाग में खाली पड़े शिक्षकों के पदों को शीघ्र भरा जा रहा है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से हिमाचल प्रदेश गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में देश में 21वें स्थान से बढ़कर अब पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि सरकार विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा सुविधाएं देने के लिए काम कर रही है। बैठक में मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूलों की प्रगति की भी समीक्षा की।

हिमाचल के जनजातीय इलाकों में फिर बर्फबारी, शिमला में खिली धूप

शिमला

हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में मौसम के कड़े तेवर जारी हैं। किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों में फिर से बर्फबारी हुई है, वहीं शिमला और राज्य के अन्य हिस्सों में आज सुबह से धूप खिली और लोगों ने राहत की सांस ली। राज्य के मैदानी भागों में तीन दिन लगातार बारिश के बाद गुरूवार को मौसम खुल गया है, लेकिन मौसम विभाग ने अगले 24 घण्टों में राज्य के मैदानी और मध्यपर्वतीय इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना जताई है। हालांकि इस दौरान किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ अब कमजोर पड़ रहा है और 11 से 15 अक्तूबर तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ और शुष्क रहेगा। इस बीच जनजातीय और ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले दिनों हुई भारी बर्फबारी के कारण ठंड का प्रकोप जारी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बूस्ट, कैट ने जताया करवा चौथ पर 25000 करोड़ के व्यापार का अनुमान

नई दिल्ली

पारंपरिक भारतीय संस्कृति में करवा चौथ का विशेष महत्व है। यह पर्व नारी शक्ति के त्याग, समर्पण और प्रेम का प्रतीक है। हर वर्ष यह दिन विवाहित महिलाएँ अपने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए निर्जला व्रत रखकर मनाती हैं। यह परंपरा भारतीय परिवार व्यवस्था की सुदृढ़ता और भावनात्मक जुड़ाव को दशार्ती है। चांदनी चौक से सांसद तथा कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने देश भर के लोगों खास तौर पर व्यापारियों से अपील की है कि वो भी अपनी पत्नी के सम्मान में करवा चौथ का व्रत रखें। खंडेलवाल ने कहा, इस पर्व से भारतीय अर्थव्यवस्था को बूस्ट मिलेगा। कैट ने करवा चौथ पर देश में 25 हजार करोड़ रुपए के व्यापार का अनुमान लगाया है। खंडेलवाल ने कहा कि आज के समय में करवा चौथ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अवसर है, जो वैवाहिक रिश्ते में समानता और पारस्परिक सम्मान का संदेश देता है। जिस प्रकार महिलाएं अपने पतियों के दीर्घ जीवन के लिए उपवास रखती हैं, उसी प्रकार पुरुषों को भी अपनी पत्नियों के स्वास्थ्य, दीर्घायु और खुशहाली के लिए व्रत रखना चाहिए। यह कदम न केवल प्रेम की अभिव्यक्ति है, बल्कि सच्चे अर्थों में 'जेंडर इक्वैलिटी' और परस्पर सम्मान का परिचायक है। देश के बदलते सामाजिक परिवेश में अब कई युवा और प्रगतिशील पुरुष भी अपनी पत्नियों के साथ व्रत रखकर समानता की भावना को प्रकट कर रहे हैं। यह परंपरा और आधुनिक सोच का सुंदर संगम है। खंडेलवाल ने कहा, करवा चौथ का आर्थिक पहलू भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर देशभर के बाजारों में भारी रौनक रहती है। इस वर्ष करवा चौथ पर आभूषण, परिधान, कॉस्मेटिक्स, मिठाइयाँ, गिफ्ट आइटम्स और सजावटी सामान सहित अन्य सामानों की बिक्री में लगभग ?25,000 करोड़ के कारोबार का अनुमान है। इससे यह त्योहार न केवल भावनाओं का, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाला पर्व भी बन गया है। शुक्रवार को करवा चौथ जैसे बड़े त्यौहार जो देखते हुए दिल्ली एवं देश के बाजारों में बड़े स्तर पर व्यापारियों द्वारा तैयारियां की गई हैं। करवा चौथ में मुख्य रूप से पूजा की थाली, रोली एवं चावल रखने के लिए छोटी कटोरियाँ, चन्द्रमा को जल का अर्क देने के लिए लोटा अथवा गिलास एवं महिलाओं द्वारा चन्द्रमा को देखने के लिए छलनी मुख्य हैं। यह सभी वस्तुएं, सोने, चांदी, पीतल, स्टेनलेस स्टील अथवा कांसे की होती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी आवाहन के चलते कैट देश भर में भारत में ही बनी यह सारी वस्तुएं उपयोग में लाई जाएंगी, जबकि पहले में यह वस्तुएं अधिकांश रूप से चीन में बनी इस्तेमाल होती थी।

गुरुग्राम: बरसात में खराब हुई फसलों का किसानों ने मांगा मुआवजा

गुरुग्राम

फर्रुखनगर खंड के गांव सुल्तानपुर व खेडा झांझरौला के करीब एक हजार एकड़ कृषि भूमि पर खड़ी फसल में वर्षा के दौरान जलभराव से हुई क्षति की भरपाई के लिए किसानों को मुआवजा राशि दिलाने की मांग की जा रही है। इसी को लेकर गुरुवार को दर्जनों किसानों ने भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष महेश यादव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम फर्रुखनगर के तहसीलदार राव सज्जन कुमार बिछवालिया व बीडीपीओ नरेश श्योराण को ज्ञापन सौंपा। दोंनों अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द ही सम्बंधित विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क करके उनकी समस्या का समाधान करा दिया जाएगा और उनका ज्ञाप मुख्यमंत्री तक पहुंचा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष महेष यादव, पंचायत समिति सदस्य रविंद्र राघव उर्फ बबली, सरपंच सीमा चौहान, प्रधान सोमबीर चौहान, पूर्व सरपंच एवं लम्बरदार सुशील चौहान, सुरेंद्र गौड़, सरपंच रामबीर सिंह, महाबीर, आजाद, नरपाल, सुखबीर सिंह, धर्मबीर, विनय सिंह, राकेश प्रधान मौहम्मदपुर, कांग्रेसी नेता सुनील यादव, श्याम सिंह चौहान आदि ने बताया कि गांव सुल्तानपुर, खेडा झांझरौला सहित आस पास के गांवों में करीब एक हजार एकड़ भूमि पर लगी फसल बरसात के कारण जलमग्न हो गई है।

यह आयोजन भारत के आत्मविश्वास, परंपरा और स्वाभिमान का उत्सव है, इस स्वदेशी उत्सव का आयोजन दिल्ली सरकार किया गया: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री ने कर्तव्य पथ पर स्वदेशी उत्सव का किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश से आह्वान किया है कि हम स्वदेशी अपनाएं

नई दिल्ली
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कर्तव्य पथ पर स्वदेशी उत्सव का शुभारंभ किया। यह आयोजन भारत के आत्मविश्वास, परंपरा और स्वाभिमान का उत्सव है। इस स्वदेशी उत्सव का आयोजन दिल्ली सरकार किया गया है। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी सोशल मीडिया एक्स पर साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश से आह्वान किया है कि हम स्वदेशी अपनाएं क्योंकि जब हम स्वदेशी चुनते हैं, तो हम केवल वस्तुएं नहीं खरीदते, हम अपने देश की मेहनत, प्रतिभा और पहचान को अपनाते हैं। स्वदेशी का हर दीपक हमारे कारीगरों की मेहनत की रौशनी है, हर दीया भारत की मिट्टी की महक है और हर खरीद आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ता एक कदम। मुख्यमंत्री ने सभी से इस बार मिलकर दिल्ली की दिवाली स्वदेशी वाली का संकल्प लेने की बात कही। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा सहित अनेक लोग मौजूद रहे। इसके अलावा मंत्री मनजिंदर सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि ह्यस्वदेशी उत्सवह्व के दौरान कर्तव्य पथ तीन दिनों तक 100 स्टॉल्स लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को स्वदेशी का लक्ष्य का दिया है, स्वदेशी संकल्प के नारे से उन्होंने बताया है कि भारत के स्वाभिमान की रक्षा सिर्फ स्वदेशी ही कर सकती है। मंत्री सिरसा ने घोषणा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मुहिम के पीछे और उनके साथ पूरी दिल्ली लामबंद होकर खड़ी है। अब दीपावली में कुछ दिन बचे है। मैंने तो कह दिया है, अब आप भी बोलिएह्व अब की दिवाली स्वदेशी वाली।

डिजिटल इंडिया का नया अध्याय लिख रही हैं महिलाएं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज नारी शक्ति तकनीक और नवाचार के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि चिप डिजाइन से लेकर कोडिंग, स्टार्टअप्स से लेकर साइबर सुरक्षा तक, भारतीय महिलाएं डिजिटल इंडिया का नया अध्याय लिख रही हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 9वें संस्करण के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी 'वोकल फॉर लोकल' कहते हैं, तो इसका मतलब स्वदेशी रक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, शिक्षा सहित हर बड़े-छोटे क्षेत्र के लिए हैं। उन्होंने कहा कि भारत के 140 करोड़ लोग देश के लिए एक संपत्ति हैं। इनके माध्यम से हर क्षेत्र में प्रगति करके भारत दुनिया में विश्वगुरु के रूप में अपनी पहचान बनाएंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस का आयोजन भारत की डिजिटल क्रांति, नवाचार और आत्मनिर्भरता के अद्भुत संगम का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस इस परिवर्तन की जीवंत झलक है, जहां स्टार्टअप्स, युवा उद्यमियों और मोबाइल सेक्टर को अभूतपूर्व मंच मिला है। उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि भारत आज जिस तेजी से तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है वह विकसित भारत 2047 की दिशा में एक सशक्त कदम है।

19 साल की लड़की के पेट से 10.1 किलो का ट्यूमर निकाला

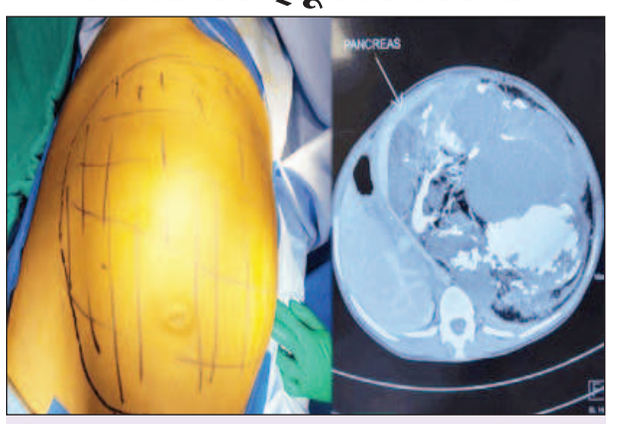

नई दिल्ली
दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टरों को एक बड़ी उपलब्धि मिली है। यहां डॉक्टरों की एक टीम ने एक 19 साल की लड़की के पेट से 10.1 किलोग्राम का भारी ट्यूमर निकालकर उसकी जान बचाई। लड़की पिछले पांच साल से पेट में सूजन जूझ रही थी। कई अस्पतालों में इलाज न मिलने से परिवार की उम्मीद टूट रही थी। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती होने के बाद एक हफ्ते के अंदर ही उसकी जांच और ऑपरेशन की तैयारी कर ली गई। जांच में पता चला कि पेट में बड़ा ट्यूमर था, जो बाएं डायफ्राम के पास से शुरू होकर पूरे ऊपरी पेट में फैला हुआ था। फिर भी, डॉक्टरों ने सावधानी से ट्यूमर को हटाया, बिना किसी नस को नुकसान पहुंचाए। डॉक्टरों की टीम ने सर्जरी ने गुर्दा, पेट, आंतें और अन्य अंगों को उनकी सही जगह पर ला गया। यह जटिल ऑपरेशन डॉ. शिवानी बी पारुथी, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. तारिक हमीद, डॉ. सुषमा और उनकी टीम ने किया। डॉ. निधि अग्रवाल और डॉ. विष्णु पंवार की एनेस्थीसिया टीम, डॉ. विशेश, और रेडियोलॉजी के डॉ. रेणु यादव, डॉ. कृष्णा भारद्वाज और डॉ. अनुपमा ने मिलकर इस सर्जरी को किया। वहीं ओटी स्टाफ, आईसीयू, वार्ड स्टाफ, नर्सिंग और फिजियोथेरेपी टीम ने मरीज के ठीक होने में बड़ी भूमिका निभाई। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारु बंबा और एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. कविता शर्मा के मार्गदर्शन में यह ऑपरेशन सफल हुआ।

पुलिस ने 28 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली
दिल्ली के दक्षिण पूर्व जिला पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने 28 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे पाए गए। पूछताछ में पता चला कि वे कई अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे। दिल्ली पुलिस ने बताया, सभी 28 लोगों को अब एक अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहां उनके निर्वासन के लिए आगे की आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं सक्रिय रूप से चल रही हैं। अब तक कुल 235 अवैध बांग्लादेशियों को निर्वासित किया जा चुका है।

पीएम 2.5 स्तर को कम आंक रही दिल्ली की प्रदूषण पूवार्नुमान प्रणाली, शोधकर्ताओं ने आंकड़ों

नई दिल्ली
काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) के शोधकर्ताओं का कहना है कि उत्सर्जन के पुराने आंकड़े (इमीशन इन्वेंटरी) के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (एक्यूईडब्ल्यूएस) पीएम-2.5 स्तर के आकलन में 30-35 फीसदी तक की त्रुटि दिखाती है। आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने इमीशन इन्वेंटरी को हर दो-तीन वर्ष में अपडेट करने की जरूरत बताई। इसके बावजूद पिछले दो वर्षो के दौरान एक्यूईडब्ल्यूएस 80 फीसदी से ज्यादा सटीकता के साथ बहुत खराब और गंभीर श्रेणी के वायु प्रदूषण (300 से अधिक एक्यूआई) का पूवार्नुमान करने में सफल रही है। आयोजित एक कार्यक्रम में शोधकताओं का कहना है कि पुराने उत्सर्जन डेटा के कारण यह प्रणाली पीएम-2.5 के स्तर को 30-35 फीसदी तक कम आंक रही है। उदाहरण के तौर पर, यदि वास्तविक पीएम 2.5 स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, तो सिस्टम इसे केवल 65 माइक्रोग्राम दशार्ता है। सीईईडब्ल्यू के शोधकर्ता मोहम्मद रफीउद्दीन ने बताया कि दिल्ली के लिए उत्सर्जन डेटा 2021 से अपडेट नहीं हुआ है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 2016 से पुराना है। उन्होंने अमेरिका और चीन की तर्ज पर हर दो-तीन साल में उत्सर्जन सूची को अपडेट करने की जरूरत पर जोर दिया। इससे न केवल पूवार्नुमानों की सटीकता बढ़ेगी, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। शोधकताओं ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए तत्काल एक आधुनिक उत्सर्जन डेटाबेस तैयार किया जाए। यह प्रणाली न केवल भविष्य के प्रदूषण स्तर की भविष्यवाणी करेगी, बल्कि बीते वर्षों की वायु गुणवत्ता का सटीक विश्लेषण भी प्रदान करेगी।

ग्रीन पटाखों से प्रदूषण नहीं बढ़ेगा : वीरेंद्र सचदेवा
नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बुधवार को आरोप लगाया कि 11 वर्षों में आप सरकार ने दिल्ली में हिंदू समाज के त्योहारों को रोकने व धार्मिक भावनाओं को आहत करने का काम किया। पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर जहां दीपावली की खुशियों को सीमित किया गया। वहीं, छठ जैसे महापर्व को नदी किनारे मनाने से रोककर लाखों पूर्वांचलवासियों की आस्था का अपमान किया। सरकार परंपराओं का सम्मान करते हुए ग्रीन पटाखों के माध्यम से प्रदूषण नियंत्रण और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

छत पर टहलते समय दो सहेलियां चौथी मंजिल से गिरीं, एक की मौत दूसरी गंभीर

नई दिल्ली
दिल्ली के हौजकाजी इलाके में मंगलवार रात छत पर टहल रहीं दो सहेलियां संदिग्ध हालात में चौथी मंजिल से गिर गई। दोनों को लोकनायक अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने सुनीता(25) को मृत घोषित कर दिया। तृप्ति (19) गंभीर है। अभी तक की जांच में पुलिस हादसे की आशंका जता रही है। तृप्ति के भाई ने पुलिस को बताया कि घटना से पहले अपनी बहन को नीचे आने के लिए कहने छत पर गया था तो दोनों बातचीत कर रही थीं। मध्य जिला के पुलिस उपायुक्त निधिन वल्सन ने बताया कि मंगलवार रात पुलिस को रात पौने नौ बजे एक लड़का और लड़की के छत से छलांग लगाने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां सुनीता गंभीर अवस्था में पड़ी मिली। उसके सिर में गंभीर चोट थी। पता चला कि तृप्ति के परिजन उसे लोक नायक अस्पताल ले गए हैं। पुलिस सुनीता को लेकर अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मेरठ में हत्या के मामले में वांछित बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली
दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मेरठ, यूपी में हत्या के मामले में वांछित आरोपी हमजा पुत्र खालिद को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने पीड़ित को उसके सीने में गोलियां मारने का वीडियो बनाया था। ये वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ था। इसके पास से एक अत्याधुनिक पिस्तौल, तीन कारतूस और रानी बाग थाना क्षेत्र से चोरी की एक स्कूटी बरामद की गई है।
अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि राधने वाली गली, ऊंचा सिद्दीकी नगर, लिसाड़ी गेट, मेरठ, उत्तर प्रदेश निवासी आदिल पुत्र कामिल को उसके घर से उठाकर पास के एक जंगल में ले जाया गया। जहां उसके दोस्तों ने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। इस संबंध में मेरठ के लोहिया नगर थाने में मामला दर्ज किया गया था। इस भयावह घटना में पीड़ित को पिस्तौल से पास से सीने में तीन बार गोली मारी गई थीं। हैरानी की बात यह है कि यह वारदात मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड की गई थी था और 12 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। आरोपी हमजा की पहचान मुख्य बदमाश के रूप में हुई थी। वह तब से फरार था और गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मेरठ, उत्तर प्रदेश निवासी फरार बदमाश हमजा पुत्र खालिद के बारे में एसआई अंशु कादियान को 8/9 अक्तूबर की मध्यरात्रि को उसकी गतिविधियों के बारे में एक सूचना मिली। इंस्पेक्टर प्रदीप की टीम ने आधी रात को आरोपी को डीडीए जल बोर्ड बिल्डिंग, रोहिणी के पास एक स्कूटी पर जाते देखा गया। जब पुलिस टीम ने उसे रोकने की कोशिश की उसने भागने की कोशिश की, लेकिन जल्दबाजी में उसकी स्कूटी सड़क पर फिसल गई। भागने का कोई रास्ता न पाकर आरोपी ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। जबावी कार्रवाई में एसआई अंशु कादियान और हवलदार महिपाल ने अपनी सर्विस पिस्टल से एक-एक राउंड गोली चलाई। एक गोली आरोपी के बाएं पैर में लगी, जिससे वह गिर गया। इसके बाद उसे पकड़ लिया गया।

साथियों के साथ मिलकर दोस्त की हत्या की थी-
पूछताछ के दौरान आरोपी ने कबूल किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर अपने दोस्त आदिल की सीने में करीब तीन गोलियां मारकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। वर्ष 2024 में, उसने एक वसी नामक व्यक्ति पर भी फायरिंग की थी। इससे वह गोली लगने से घायल हो गया था।

साक्षी का हत्यारा हिमांशु हिसार से गिरफ्तार, पहले से दर्ज हैं 14 मामले

नई दिल्ली
दक्षिण दिल्ली के कोटला मुबारकपुर इलाके में साक्षी नमक युवती की हत्या करने वाले आरोपी हिमांशु को पुलिस ने हिसार से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हिसार का रहने वाला है और आपराधिक प्रवृत्ति का युवक है। उसके खिलाफ 14 से अधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने 28 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली
दिल्ली के दक्षिण पूर्व जिला पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने 28 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे पाए गए। पूछताछ में पता चला कि वे कई अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे। दिल्ली पुलिस ने बताया, सभी 28 लोगों को अब एक अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहां उनके निर्वासन के लिए आगे की आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं सक्रिय रूप से चल रही हैं। अब तक कुल 235 अवैध बांग्लादेशियों को निर्वासित किया जा चुका है।

दिल्ली में दस्तक दे रही ठंड: 20 डिग्री के करीब पहुंचा न्यूनतम तापमान

नई दिल्ली
राजधानी में तीन दिन से हो रही बारिश ने अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट ला दी है। ऐसे में लोगों को हल्की ठंड का एहसास हो रहा है। इस बदलाव ने समय से पहले ही हवा में ठंडक ला दी है। इसी बीच बुधवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। साथ ही, बीच-बीच में कुछ देर के लिए सूरज भी निकला। ऐसे में अधिकतम तापमान सामान्य से 7.5 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 26.5 और न्यूनतम तापमान सामान्य से कम 0.7 के साथ 20.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 100 से 73 फीसदी रहा। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी में बीते 24 घंटे में 14. 6 एमएम बारिश दर्ज की गई। बृहस्पतिवार को आसमान साफ रहेगा। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 और 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। दिल्ली के साथ ही एनसीआर के इलाकों में बादलों की आवाजाही बरकरार रहेगी। हालांकि, दिल्ली के रीज में 17.6 और आया नगर में 18.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग की मानें तो कल से 14 अक्तूबर तक दिल्ली के साथ ही एनसीआर के इलाकों में मौसम साफ रहेगा। हालांकि, उत्तर भारत में ठंड के जल्द दस्तक देने की उम्मीद है। दिल्ली में भी बारिश के बाद तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने 9 से लेकर 14 अक्तूबर तक दिल्ली के साथ ही एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में मौसम शुष्क और साफ रहने की बात कही है।

ठोस कचरा प्रबंधन: महापौर से अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

नई दिल्ली
मालदीव, नेपाल सहित विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 30 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को दिल्ली नगर निगम के सिविक सेंटर में महापौर राजा इकबाल सिंह से भेंट की। यह दौरा भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के सहयोग से आयोजित किया गया था। जिसका उद्देश्य दिल्ली नगर निगम के शासन और ठोस कचरा प्रबंधन की कार्यप्रणाली को समझना था। महापौर राजा इकबाल सिंह ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम एशिया की सबसे बड़ी नगरीय निकायों में से एक है, जो करीब 2 करोड़ नागरिकों को सेवाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हम सतत विकास, जनभागीदारी और नवाचार के माध्यम से निगम शासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ठोस कचरा प्रबंधन प्राथमिक चुनौतियों में से एक है, जिसके समाधान के लिए स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण, वैज्ञानिक लैंडफिल प्रबंधन, वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजनाओं और सामुदायिक सहभागिता जैसे कदम उठा रहे हैं। महापौर ने कहा कि यह दौरा ज्ञान और अनुभव के आदान-प्रदान का अवसर है, जिससे न केवल प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली की कार्यप्रणाली की जानकारी मिलेगी, बल्कि निगम को भी अन्य देशों की श्रेष्ठ व्यवस्थाओं से सीखने का अवसर प्राप्त होगा।

निगम अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली के टाउन प्लानिंग, मास्टर प्लान, ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान स्वीकृति प्रणाली तथा ठोस कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि दिल्ली एक भू-आवेष्ठित (लैंडलॉक्ड) मेगासिटी होने के कारण यहां शहरी कचरा प्रबंधन से जुड़ी विशिष्ट चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए निगम निरंतर नवाचार कर रहा है।
इस अवसर पर उपमहापौर जय भगवान यादव, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, सदन के नेता प्रवेश वाही, स्थायी समिति के उपाध्यक्ष सुन्दर सिंह, निगमायुक्त अश्विनी कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डीजीसीए ने इंडिगो पर लगाया 20 लाख रुपये का जुर्माना, एयरलाइन आदेश को देगी चुनौती

नई दिल्ली
नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो पर 20 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। पायलट प्रशिक्षण में कथित खामियों के लिए इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड पर यह जुमार्ना लगाया है। कंपनी इस फैसले को चुनौती देने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग बताया कि 26 सितंबर को डीजीसीए से जुमार्ने के संबंध में नोटिस मिला है। एयरलाइन पर पायलट प्रशिक्षण में कथित खामियों के लिए एयरलाइन पर 20 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। यह जुमार्ना "श्रेणी उ एयरपोर्ट पर पायलट प्रशिक्षण के लिए योग्य सिमुलेटर का उपयोग करने में कथित विफलता" के लिए लगाया गया है। विमानन कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि डीजीसीए के इस आदेश को उपयुक्त अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष चुनौती देने पर विचार किया जा रहा है। एयरलाइन ने कहा आंतरिक संप्रेषण संचार में देरी के कारण जुमार्ने की जानकारी देने में इतना समय लग गया। कंपनी ने कहा कि डीजीसीए के आदेश के कारण उसकी वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। आमतौर पर श्रेणी सी के हवाई अड्डों की पहुंच और परिचालन स्थितियां चुनौतीपूर्ण होती हैं।

संपादक की कलम से

मिलावटी भोजन: भारतीय समाज की सेहत पर संकट

आधुनिक भारत का जीवन तेज रफ़्तार से बदल रहा है।महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक, अब हर गली-मोहल्ले में फास्ट फूड और स्ट्रीट फूड का जाल बिछ चुका है। कॉलेज के बाहर चाट-पकौड़ी, दफ़्तरों के आसपास बर्गर-नूडल्स, और रात के बाजारों में सस्ते खाने के ठेले – ये सब आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन गए हैं। लोग स्वाद और सस्ती कीमत के आकर्षण में भीड़ देखकर ही खाने का चुनाव कर लेते हैं, पर शायद ही कोई यह सोचता है कि यह भोजन कितना स्वच्छ या सुरक्षित है। यही लापरवाही आज भारतीय समाज की सेहत पर एक खामोश संकट बनकर मंडरा रही है।

सस्ता और स्वादिष्ट भोजन सुनने में जितना आकर्षक लगता है, हकीकत में वह उतना ही खतरनाक साबित हो सकता है। मिलावटखोर व्यापारी उपभोक्ता की जेब और स्वाद दोनों पर निशाना साधते हैं। दूध में डिटर्जेंट, घी में रिफाइंड ऑयल, मसालों में रंगीन पाउडर, और मिठाइयों में केमिकल युक्त चमकीले रंग – यह सब आम हो गया है। कुछ वर्ष पहले दिल्ली, बिहार और उत्तर प्रदेश में की गई जांचों में पाया गया कि बाजार में बिकने वाला लगभग 70% दूध किसी न किसी रूप में मिलावटी है। यही हाल मिर्च पाउडर, हल्दी और बेसन जैसे रोजमर्रा के सामान का है।

मिलावट का सबसे खतरनाक रूप है आर्टिफिशियल फूड कलर और एसेंस। ये पदार्थ देखने में आकर्षक जरूर बनाते हैं, पर शरीर में पहुंचने पर ये कैंसर, लीवर डैमेज, किडनी फेल्योर और हार्मोनल असंतुलन जैसी बीमारियों के बीज बो देते हैं। यूरोपीय देशों में जिन रंगों को स्वास्थ्य के लिए घातक मानकर प्रतिबंधित किया गया है, वे ही रंग भारत में खुलेआम मिठाइयों, नमकीन और पेयों में उपयोग किए जा रहे हैं।

आज की सबसे बड़ी समस्या यह है कि लाभ की लालसा ने मानवीय संवेदनाओं को कुचल दिया है। खाद्य उद्योग के कई हिस्सों में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो गई है कि व्यापारी सस्ता उत्पादन करने के लिए किसी भी स्तर तक गिर जाते हैं। पाम ऑइल जैसे घटिया तेलों का प्रयोग इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कई देशों ने इस तेल को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानते हुए प्रतिबंधित कर दिया है, पर भारत में यह लगभग हर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ – बिस्किट, नूडल्स, चिप्स, नमकीन, और यहां तक कि मिठाइयों तक – में मिलाया जा रहा है। हमारे देश में क्वालिटी की जगह क्वांटिटी पर जोर देने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि उपभोक्ता भी सस्ते सामान की ओर आकर्षित होता है। वह यह नहीं सोचता कि जो भोजन आज 20 रुपये में मिल रहा है, वह भविष्य में उसकी सेहत पर कितना भारी पड़ेगा। यह एक सामाजिक मानसिकता की त्रुटि है – जहाँ हम तत्कालिक लाभ को स्थायी हानि से अधिक महत्व देने लगे हैं।

भारत में खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण जैसी संस्थाएँ मौजूद हैं। इनके पास कानूनन अधिकार हैं कि वे खाद्य पदार्थों की जांच करें, लाइसेंस रद्द करें और दोषियों पर कार्रवाई करें। परंतु जमीनी स्तर पर इन व्यवस्थाओं की हालत चिंताजनक है।खाद्य निरीक्षकों की संख्या सीमित है, लैब टेस्ट की प्रक्रिया धीमी है और भ्रष्टाचार ने निगरानी व्यवस्था को खोखला बना दिया है।

नोबेल पुरस्कार : ट्रम्प को झटका लगनें की संभावना?

वैश्विक स्तरपर सबसे प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कारों की घोषणाएँ हर वर्ष की तरह, 2025 में भी 6 से 13 अक्टूबर तक के नोबेल सप्ताह में की जा रही है जिस पर पूरे विश्व की नजरें लगी हुई है विशेष रूप से नोबेल शांति पुरस्कार पर। चिकित्सा से शुरूआत, फिर भौतिकी, रसायन, साहित्य, शांति और अन्त में अर्थशास्त्र, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025, चिकित्सा की घोषणा हुई नोबेलसमिति द्वारा नॉबेल चिकित्सा या जीवविज्ञान पुरस्कार की घोषणा की गई। घोषणा आमतौर पर स्टॉकहोम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में होती है, और लाइव प्रसारण किया जाता है। यह पहला दिन होने के कारण वैज्ञानिक और स्वास्थ्य जगत में उच्च उत्सुकता होती है, और यह नोबेल सप्ताह की शुरूआत का संकेत देता है। दूसरे दिन मंगलवार 7 अक्टूबर 2025 भौतिकी पुरस्कार की घोषणा हुई है। यह परम्परा है कि भौतिकी पुरस्कार सप्ताह के दूसरे दिन घोषित किया जाए। बुधवार, 8 अक्टूबर 2025- रसायन पुरस्कार, 9 अक्टूबर 2025, साहित्य पुरस्कार की घोषणा होती है। साहित्य जगत, लेखकों, कवियों, आलोचकों एवं साहित्य- प्रेमियों के लिए यह एक उत्सव का दिन होता है। विजेता लेखक की पिछली कृतियाँ, विषय, उनकी वैश्विक प्रभाव और भाषा- संघर्ष चर्चित होते हैं।आमतौर पर, विजेता पहले से अज्ञात होते हैं,यानी लेखक को अचानक इस खबर की अभिभूत कर देने वाली घोषणा सुननी होती है।मीडिया एवं साहित्यकार तुरंत प्रतिक्रियाएँ देते हैं,क्या यह सही चयन है?,इसका साहित्य जगत पर क्या असर होगा?,इसके बाद लेखक की प्रसिद्धि और उनकी पुस्तकें किन भाषाओं में अनुवाद होंगी? आदि सवाल उठते हैं।शुक्रवार,10 अक्टूबर 2025 शांति पुरस्कार की घोषणा, यह पुरस्कार नोर्वेजियन नोबेल समिति द्वारा सौंपा जाता है, जो नॉर्वे की संसद द्वारा नामित सदस्यों से मिलकर बनती है। इस दिन पूरी दुनियाँ की निगाहें तनावपूर्ण होती हैं,क्योंकि शांति पुरस्कार का राजनीतिक और सामाजिक महत्व बहुत अधिक होता है।विजेता या विजेताओं की घोषणा होते ही वैश्विक मीडिया,सरकारें, सामाजिक-न्याय और मानवाधिकार संगठन अपनी प्रतिक्रियाएँ देते हैं। पुरस्कार विजेता को शांति- संबंधी योगदानों के आधार पर आलोचना या समर्थन मिलता है।कई बार इस दिन ही यह विवाद उत्पन्न होता है कि क्या चयन न्यायसंगत है, क्या विजेता ने वास्तव में शांति लाने में योगदान दिया है,आदि।बाद में (दिसंबर में) विजेता को ओस्लो में शांति पुरस्कार समारोह और संबद्ध कार्यक्रम (जैसे संवाद, व्याख्यान) आयोजित होते हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को कई दिनों से शांति पुरस्कार मिलने की संभावना है चल रही है जबकि वे खुद कबूल कर चुके हैं कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं दिया जाएगा, वैसे भी कई नॉमिनेशन सिफारिशें अंतिम तारीख निकालने के बाद गए हैं, वैसे भी मीडिया के अनुसार वे एक विवादास्पद, चिर विवादित और प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तित्व हैं, लंबे समय से नोबेल शांति पुरस्कार को प्राप्त करने की आकांक्षा रखते हैं,या कम-से-कम इसके लिए नामित होना चाहते हैं। इस खंड में मैं उनके उस सपने की सम्भाव्यता, उसकी रणनीति, चुनौतियाँ और समाज- राजनीति में इसके असर को समझने की कोशिश करूँगा। सोमवार, 13 अक्टूबर 2025, अर्थशास्त्र पुरस्कार की घोषणा, विजेताओं को इस घोषणा के बाद दिसंबर में स्टॉकहोम में पुरस्कार ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। इस दिन के बाद नोबेल सप्ताह की घोषणाएँ समाप्त होती हैं और अगले महीनों में पुरस्कार वितरण, संवाद एवं समारोहों की व्यवस्था होती हैं नोबेल पुरस्कार वितरण समारोह 10 दिसंबर को होता है,यह दिन अल्फ्रेड नोबेल के निधन की वर्षगांठ है। शांति पुरस्कार विजेता के लिए यह समारोह ओस्लो, नॉर्वे में आयोजित होता है, जबकि अन्य पुरस्कारों (चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, साहित्य, अर्थशास्त्र) का समारोह स्टॉकहोम, स्वीडन में होता है।

विजेता को सोने की पदक, प्रमाणपत्र,और निधि राशि दी जाती है।पुरस्कार राशि समय-समय परपरिवर्तित होती है।

साथियों बात अगर हम पूरे विश्व की जिस पुरस्कार पर नजरें लगी हुई है, नोबेल शांति पुरस्कारः क्या ट्रम्प को मिलने की संभावना ? इसको समझने की करें तो, नोबेल शांति पुरस्कार दुनियाँ भर में राजनीति, मानवाधिकार और संघर्ष- समाधान की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील और विवादास्पद माना जाता है।

कृषि क्षेत्र में जीएसटी की नई दरें किसानों के लिए वरदान

किसानों की आय बढ़ाने का काम करेगी जीएसटी की नई दरें

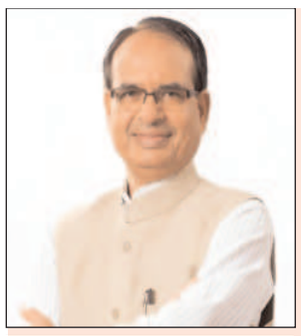

लेखकः केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान

किसान कल्याण केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। खेती सरल हो, उत्पादन की लागत घटे और किसान को अधिक मुनाफा हो, इसके लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। अन्नदाताओं का जीवन बदलना और कृषि को विकसित बनाना प्रधानमंत्री का लक्ष्य भी है और संकल्प भी। उनके निर्णयों, नीतियों और योजनाओं के केंद्र में हमेशा किसान रहते हैं। हाल ही में जीएसटी परिषद द्वारा किए गए संशोधन इसी किसान हितैषी सोच को दशार्ते हैं। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी में नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म का जो संकल्प लिया था, आज वह नए भारत की समृद्धि का आधार बन रहा है।

देश की आम जनता और किसानों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जीएसटी दरों में व्यापक सुधार किए गए हैं। यह सुधार हमारी कृषि व्यवस्था को गति और किसानों को प्रगति देने वाले हैं। इन सुधारों से देश के 10 करोड़ से अधिक सीमांत किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। पहले जहां कृषि उपकरणों पर 18% तक जीएसटी देना पड़ता था, अब यह दर घटाकर केवल 5% कर दी गई है। इसका मतलब है कि हर किसान की जेब में हजारों रुपये की सीधी बचत होगी मल्चर, सुपरसीडर, हैप्पीसीडर और स्प्रेयर भी अब पहले से सस्ते हो गए हैं। कृषि को अधिक लाभदायक बनाने के लिए मशीनीकरण आवश्यक है। स्प्रिंकलर, ड्रिपइरिगेशन, कटाई मशीन, हाइड्रोलिकपंप और कलपुर्जों पर टैक्स घटने से अब सीमांत किसान भी आसानी से आधुनिक उपकरण खरीद पाएंगे। इससे श्रम लागत कम होगी, समय बचेगा और उत्पादकता बढ़ेगी। खेती के खर्च में कमी आने से स्वाभाविक रूप से किसान की आमदनी में वृद्धि होगी।

हमारा हर कदम किसानों की समृद्धि के लिए है। किसानों को घटी हुई दरों का लाभ तुरंत मिले, इसके लिए मैंने कृषि मशीन निमार्ताओं के संघों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की। यह सुधार केवल किसानों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश की आर्थिक संपन्नता और आत्मनिर्भरता के लिए अभिनंदनीय कदम है। कृषि की लागत घटने से किसान अपनी उपज से अधिक लाभ कमा पाएंगे जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि होगी।

कृषि और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक हैं। मधुमक्खी पालन, डेयरी, पशुपालन और सहकारी समितियों को ऋरळ में जो छूट दी गई है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई समृद्धि आएगी। जब किसानों के खर्च कम होंगे और उनकी आय बढ़ेगीतो वे अपनी जीवनशैली, शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक निवेश कर सकेंगे, जिससे जीवन का चहुंमुखी विकास संभव होगा।

जैविक खेती और प्राकृतिक खेती के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष बल रहता है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि की ओर बढ़ रही है, ऐसे में हमारे किसानों को सस्ते दामों पर जैव-कीटनाशकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ऋरळ 12% से घटाकर 5% किया गया है। इससे किसान रासायनिक उर्वरकों पर निर्भर रहने के बजाय धीरे-धीरे जैविक उर्वरकों की ओर बढ़ेंगे। मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी, धरती माँ का स्वास्थ्य सुधरेगा और साथ ही किसानों की लागत भी कम होगी। हमारे देश के किसानों की जोत का आकार छोटा है इसलिए हम इंटीग्रेटेडफार्मिंग और कृषि संबद्ध क्षेत्रों को प्रोत्साहित कर रहे हैं ताकि किसानों की आय तेजी से बढ़े। सरकार का स्पष्ट मानना है कि किसानों के जीवन में समृद्धि का उजाला लाने के लिए मूल्य संवर्धन भी आवश्यक है। जीएसटी सुधारों से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को राहत मिली है। कोल्डस्टोरेज और प्रोसेसिंगयूनिट्स में निवेश बढ़ने से किसानों की उपज लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी और प्रसंस्करण के बाद उसे बेहतर दाम मिलेगा। प्रधानमंत्री ने हमेशा कहा है कि वे किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों के विरुद्ध किसी भी नीति और समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे। आज का यह सुधार उसी संकल्प का प्रमाण है। इससे हमारी विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता घटेगी और मेक इन इंडिया व आत्मनिर्भर भारत को बल मिलेगा। ग्रामीण भारत की समृद्धि का आधार स्वयं सहायता समूह की हमारी बहनें हैं। जीएसटी सुधारों से इन समूहों और एमएसएमई की लागत घटेगी, जिससे गाँव और कस्बों में छोटे उद्योग पनपेंगे। ग्रामीण उद्योगों और स्टार्टअप्स के लिए गांवों में प्रसंस्करण ईकाइयाँ, भंडारण और परिवहन सुविधाएँ विकसित होने से विकसित और आत्मनिर्भर भारत को नई दिशा मिलेगी। कर घटने से बिक्री बढ़ेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवा अपने गाँव में रहकर ही आत्मनिर्भर बन पाएंगे।

ये सुधार केवल कर की दर घटाने भर का निर्णय नहीं हैं, बल्कि किसान, छोटे व्यापारी, पशुपालक, मछुआरे और कुटीर उद्योग चलाने वाली बहनों के जीवन में नई ऊर्जा भरने का पुण्य प्रयास है। हमारी सरकार सबका साथ-सबका विकास और अंत्योदय के संकल्प के साथ यही सिद्ध कर रही है कि खेत-खलिहान की खुशहाली ही राष्ट्र की प्रगति का पर्याय है। अबकी बार पूरा देश स्वदेशी से समृद्धि के संकल्प के साथ दीपावली मनाएगा। घर-घर स्वावलंबन के दीप जलेंगे, कुटीर उद्योगों से जय स्वदेशी का मंगल स्वर गूंजेगा और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारे किसान विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करेंगे।

महासंकल्प रैली से मायावती की वापसी की पटकथा तैयार, 2027 की जंग का शंखनाद

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर मायावती की वापसी की दस्तक सुनाई दे रही है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती 9 अक्टूबर को लखनऊ के मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल पर विशाल महासंकल्प रैली के जरिए अपनी राजनीतिक ताकत का जोरदार प्रदर्शन करने जा रही हैं। यह रैली न केवल बसपा के संस्थापक कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर है, बल्कि मायावती द्वारा पार्टी को दोबारा पटरी पर लाने और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी का बिगुल फूंकने का भी मंच बन गई है। को लेकर बसपा संगठन के तमाम बड़े चेहरे, जैसे आकाश आनंद, दिनेश चंद्र, घनश्याम चंद्र खरवार, नौशाद अली, विश्वनाथ पाल, भीम राजभर, गयाचरण दिनकर, शमशुद्दीन राइनी समेत ज़िला, मंडल और सेक्टर स्तर तक के कार्यकर्ता सक्रिय हैं। पार्टी ने रैली में 5 लाख से अधिक लोगों को जुटाने का दावा किया है। अगर यह संख्या पूरी होती है, तो यह मायावती के लिए न केवल मनोबल बढ़ाने वाला क्षण होगा, बल्कि 2007 जैसे राजनीतिक प्रभाव की पुनरावृत्ति भी हो सकती है यह रैली इसलिए भी ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि 9 अक्टूबर कांशीराम की पुण्यतिथि है। कांशीराम, जिन्होंने बहुजन आंदोलन को एक नई दिशा दी थी, उनके विचारों को जमीन पर उतारने वाली नेता के तौर पर मायावती खुद को प्रस्तुत करती रही हैं। ऐसे में यह आयोजन कांशीराम को श्रद्धांजलि देने से कहीं आगे बढ़कर, बसपा के राजनीतिक पुनर्जीवन का रोडमैप भी पेश करेगा।मायावती ने 2007 में जिस स्थान से बहुजन वोटबैंक को एकजुट कर बहुमत की सरकार बनाई थी, उसी स्थान से अब फिर एक नए युग की शुरूआत करना चाहती हैं। तब उन्होंने सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का नारा दिया था। इस बार क्या नया नारा और नया संदेश दिया जाएगा, इस पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

रैली की तैयारियों में बसपा कोई कसर नहीं छोड़ रही है। प्रदेश के हर जिले से भीड़ जुटाने की ज़िम्मेदारी अलग-अलग नेताओं को दी गई है। जिलाध्यक्षों को लक्ष्य सौंपा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से समर्थकों को बसों, ट्रेनों और निजी वाहनों के माध्यम से 8 अक्टूबर की रात तक लखनऊ पहुंचाएं। रैली स्थल पर ठहरने, खाने-पीने और सुरक्षा की व्यवस्थाएं भी पूरी कर ली गई हैं। कांशीराम स्मारक स्थल, जिसकी क्षमता लगभग 5 लाख लोगों की है, को पार्टी नीले झंडों और क छङ्मपी इरढ जैसे पोस्टरों से पाट चुकी है।वहीं दूसरी ओर, लखनऊ

नगर निगम और पुलिस प्रशासन भी रैली को लेकर सतर्क हो गया है। यातायात व्यवस्था से लेकर सुरक्षा घेरे तक सब कुछ चाक-चौबंद किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन को यह भली-भांति ज्ञात है कि इस रैली का असर राज्य की राजनीति पर पड़ेगा।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह रैली मायावती के लिए सिर्फ एक इवेंट नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक वापसी का ट्रेलर है। 2012 के बाद से बसपा सत्ता से बाहर रही है, और लोकसभा चुनावों में भी पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा है। ऐसे में अब मायावती पार्टी की खोई हुई जमीन को फिर से पाने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं।मिशनझ2027 मायावती के लिए सिर्फ सत्ता पाने का अवसर नहीं, बल्कि बसपा की विचारधारा को पुनर्स्थापित करने का माध्यम भी है। मायावती जानती हैं कि दलित वोटबैंक का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा और सपा की ओर आकर्षित हो चुका है। ऐसे में महासंकल्प रैली के जरिए वह यह संदेश देना चाहती हैं कि बसपा अभी भी मैदान में है, और दलितों-पिछड़ों-अल्पसंख्यकों के हितों की असली संरक्षक वही हैं।

रैली में सबसे दिलचस्प पहलू यह होगा कि मायावती के भतीजे आकाश आनंद की पार्टी में दोबारा सक्रिय भूमिका की घोषणा हो सकती है। बीते कुछ महीनों से उनके हाशिए पर रहने की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन अब संगठन की ओर से जो संकेत मिल रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि युवाओं को जोड़ने के लिए पार्टी एक बार फिर आकाश को फ्रंटफुट पर लाना चाहती है।आकाश की उपस्थिति मायावती की सियासी सोच में बदलाव का प्रतीक मानी जा रही है। यह बदलाव न केवल नेतृत्व स्तर पर है, बल्कि संगठन की कार्यशैली में भी नयापन लाने की कोशिश है। मायावती इस रैली से दोहरा संदेश देना चाहती हैं पहला, अपने कोर वोटबैंक को फिर से संगठित करना; और दूसरा, भाजपा व सपा जैसे दलों को यह बताना कि बसपा को अब नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।भाजपा जहां हिंदू मतों के ध्रुवीकरण में व्यस्त है, वहीं सपा मुस्लिम-पिछड़ा दलित समीकरण पर काम कर रही है। ऐसे में मायावती की रणनीति है सामाजिक न्याय + कानून व्यवस्था + मजबूत नेतृत्व को एक पैकेज के रूप में पेश करना।उनका फोकस खासकर जाटव, पासी, लोध, कुशवाहा, मौर्य, मुस्लिम और अन्य वंचित वर्गों को एक मंच पर लाने पर रहेगा।

इससे बसपा न सिर्फ पारंपरिक वोटों को समेटेगी, बल्कि सपा और कांग्रेस की गैर-यादव पिछड़ा और गैर-जाटव दलित रणनीति को भी चुनौती देगी।इस रैली को लेकर न केवल प्रदेश, बल्कि राष्ट्रीय मीडिया की भी खास नजर है। टीवी चैनलों पर लाइव कवरेज की तैयारी हो चुकी है और सोशल मीडिया पर पहले से ही #इरढटँ२ेल्लांस्त्रफं८ ट्रेंड करने लगा है। मायावती का भाषण इस रैली का केंद्रबिंदु होगा, जिसमें वह आने वाले महीनों के लिए पार्टी की नीति, संगठनात्मक बदलाव और राजनीतिक गठबंधनों पर अपने इरादे जाहिर कर सकती हैं।

उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से अगर बसपा को 2027 में मजबूत प्रदर्शन करना है, तो उसे कम से कम 100+ सीटों पर सीधी टक्कर देनी होगी। 2022 में पार्टी केवल 1 सीट जीत पाई थी, जो अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन था। ऐसे में इस रैली के जरिए कार्यकताओं और समर्थकों में जोश भरना, संगठन को जीवंत करना और नए चेहरे पेश करना अनिवार्य हो गया है राजनीति के जानकार मानते हैं कि यदि बसपा इस रैली में भारी भीड़ लाने में सफल रहती है और मायावती स्पष्ट संदेश देती हैं, तो यह विपक्षी दलों की रणनीति को हिला सकता है।महासंकल्प रैली सिर्फ एक शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि मायावती के लिए नई राजनीतिक पारी की शुरूआत है। यह दिखाने का समय है कि बसपा खत्म नहीं हुई, बल्कि अब और मजबूत होकर उभर रही है। कांशीराम की विरासत को लेकर चल रही इस राजनीतिक यात्रा में अब नया मोड़ आ गया है।अगर यह रैली सफल रही, तो मायावती और बसपा एक बार फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति के केंद्र में लौट सकते हैं। और अगर नहीं, तो यह आखिरी मौका भी हो सकता है।

बदलते समीकरणों के बीच बिहार की अनिश्चित सियासत

प्रिंस अभिषेक

बिहार की राजनीति हमेशा से देश की सबसे गतिशील, जटिल और अप्रत्याशित राजनीति रही है। यहाँ चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं बल्कि सामाजिक समीकरणों, जातीय संतुलन और राजनीतिक चालबाज़ियों का खेल भी होता है। त्योहारी माहौल में भी बिहार की जनता की चर्चा राजनीति से आगे नहीं बढ़ती, मानो राजनीति ही उनका सबसे बड़ा मनोरंजन हो। पिछले दो दशकों में बिहार की राजनीति का केंद्र बिंदु एक ही व्यक्ति रहे हैं नीतीश कुमार और इस दौर में एक कहावत ने जन्म लिया- पावर वहीं झुकती है, जहाँ नीतीश झुकते हैं।

दरअसल, बिहार की राजनीति का सबसे रोचक पहलू यही है कि नीतीश कुमार जब जिस खेमे में जाते हैं, वही सत्ता के करीब पहुँच जाता है। यही वजह है कि भाजपा, जो आमतौर पर अपने सहयोगियों को हाशिए पर डाल देती है, बिहार में नीतीश के आगे झुकने पर मजबूर होती रही है। यही स्थिति कभी लालू प्रसाद यादव की राष्ट्रीय जनता दल (फखऊ) के साथ भी रही थी, जब वह नीतीश के नेतृत्व वाले जनता दल (यूनाइटेड) यानी जदयू के साथ गठबंधन में थे। बिहार में गठबंधनों की राजनीति हमेशा से सत्ता की कुंजी रही है, और इस कुंजी के सबसे चतुर खिलाड़ी हैं नीतीश कुमार।

नीतीश कुमार के राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उनके खिलाफ जो भी दल बोलता है, अंततः वही दल किसी न किसी समय उनके साथ हाथ मिला लेता है। 2017 में महागठबंधन से अलग होकर भाजपा के साथ गए नीतीश 2022 में फिर आरजेडी के साथ लौट आए। इसका कारण यही है कि बिहार में सत्ता प्राप्त करने का रास्ता नीतीश से होकर ही गुजरता है। लेकिन वर्तमान में परिस्थितियाँ बदल रही हैं- जदयू के संगठनात्मक ढांचे में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है और नीतीश कुमार की लोकप्रियता अब उतनी अटूट नहीं रही जितनी पहले थी।

नीतीश के राजनीतिक सफर की शुरूआत विकास और सुशासन के वादे से हुई थी। 2005 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने राज्य में कानून व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, शिक्षा और सड़क सुधार पर व्यापक काम किया। 2006 में शुरू किया गया स्कूल चलो अभियान और लड़कियों को साइकिल वितरण जैसी योजनाओं ने शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाया। 2005 में

जहाँ केवल 1.8 लाख लड़कियाँ 10वीं की परीक्षा में शामिल हुई थीं, वहीं अब यह संख्या 15 लाख से अधिक हो चुकी है। उन्होंने महिलाओं को घर और पानी की सुविधा देने की भी कोशिश की, हालांकि यह योजना पूरी तरह सफल नहीं हो सकी। लेकिन इन पहलों ने उन्हें सुशासन बाबू की पहचान दिलाई।

हालाँकि समय के साथ परिस्थितियाँ बदलीं। तीसरे और चौथे कार्यकाल में नीतीश कुमार के शासन पर विकास की गति धीमी पड़ी। पलायन, बेरोजगारी और उद्योगों की कमी जैसी समस्याएँ फिर उभर आईं। अब नीतीश का प्रशासन अक्सर विकास की बजाय गठबंधन राजनीति में उलझा दिखता है। एक समय जिनके कामकाज को बिहार की जनता मिसाल के रूप में देखती थी, अब वही जनता उन्हें असमंजस और सत्ता-लोलुपता के प्रतीक के रूप में देखने लगी है।

इस बार नीतीश को कई मोर्चों से चुनौती मिल रही है। उनकी सेहत को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं और पार्टी के भीतर असंतोष भी बढ़ा है।

जदयू का जनाधार धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है और आरजेडी या भाजपा में से किसी एक की सहायता के बिना उनके लिए सत्ता में बने रहना कठिन हो गया है। यही वजह है कि नीतीश सरकार ने हाल ही में महिलाओं को ?10,000 की राशि सीधे खातों में ट्रांसफर की और अनेक रियायतें घोषित की, ताकि जनसमर्थन दोबारा हासिल किया जा सके। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन दोलों और रियायतों से जनता का रुझान वास्तव में बदलेगा?

दूसरी ओर, तेजस्वी यादव का राजनीतिक प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा है। पिछली विधानसभा चुनाव में महागठबंधन केवल 16,825 वोटों से हारा था, जो एक बेहद मामूली अंतर है। तेजस्वी की लोकप्रियता युवाओं और बेरोजगारों के बीच काफी बढ़ी है। उन्हें कांग्रेस और वामपंथी दलों का भी समर्थन प्राप्त है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान तेजस्वी को विपक्ष का चेहरा बनाने की कोशिश की गई, लेकिन पारिवारिक महत्वाकांक्षाएँ और सहयोगी दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति महागठबंधन के लिए चुनौती बन गई है।

महागठबंधन की वर्तमान स्थिति थोड़ी जटिल है। सीट शेयरिंग को लेकर तकरार हमेशा की तरह जारी है, लेकिन अंततः सभी दल एक साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे, इसमें संदेह नहीं है। वहीं, नए मतदाता आंकड़ों ने समीकरणों को और पेचीदा बना दिया है। हाल ही में चुनाव आयोग के आँकड़ों के अनुसार, 69 लाख पुराने मतदाता हटाए गए हैं और 21 लाख नए मतदाता जोड़े गए हैं। इसका मतलब है कि युवा और पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, जो किसी भी दल के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं।

इसी बीच, प्रशांत किशोर और उनकी जन सुराज पार्टी भी इस चुनावी परिदृश्य में नया आयाम जोड़ रही है। प्रशांत किशोर ने अपनी पहचान चुनावी रणनीतिकार के रूप में बनाई थी, लेकिन अब वे एक विकल्प के रूप में खुद को स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी पदयात्राएँ, जन संवाद और सीधे जनता से जुड़ने की शैली ने उन्हें एक अलग पहचान दी है। वे भाजपा, जदयू और आरजेडी- सभी पर तीखे प्रहार कर रहे हैं और अपने समर्थक वर्ग को बढ़ा रहे हैं। हालांकि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि वे सरकार बनाएँगे या किंगमेकर की भूमिका में रहेंगे।

भाजपा की स्थिति भी इस बार उतनी आसान नहीं है। संगठनात्मक रूप से यह सबसे मजबूत पार्टी है, परंतु बिहार में उसके पास कोई दमदार स्थानीय चेहरा नहीं है। पिछली बार भाजपा ने जदयू से दोगुनी सीटें जीतीं, फिर भी उसे मुख्यमंत्री पद नहीं मिला। इसने उसके कैडर में असंतोष पैदा किया।

अर्जेंटीना की अदालत ने क्रिस्टिना फर्नांडीज डी किर्चनर पर हमले के दोषियों को सुनाई सजा

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना की एक अदालत ने देश की पूर्व उपराष्ट्रपति और विपक्ष की प्रमुख नेता क्रिस्टिना फर्नांडीज डी किर्चनर की हत्या के प्रयास के मामले में दो लोगों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। यह हमला वर्ष 2022 में हुआ था, जब किर्चनर उपराष्ट्रपति पद पर थीं। अदालत ने फर्नांडो साबाग मोंटिएल, जो ब्राजील का नागरिक है और अर्जेंटीना में रह रहा था, को हत्या के प्रयास के अपराध में 10 साल की सजा सुनाई। वहीं उसकी पूर्व प्रेमिका ब्रेंडा उलिआर्टे को अपराध में सहयोगी होने के लिए 8 साल की सजा दी गई। मोंटिएल ने उस वक्त किर्चनर के सिर के ठीक पास लोडेड पिस्तौल तानकर ट्रिगर दबाया था, लेकिन हथियार नहीं चला। बाद में उसने अदालत में स्वीकार किया कि उसका उद्देश्य किर्चनर की हत्या करना था। देश की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक हस्तियों में शामिल किर्चनर पर हुए इस हमले ने पूरे अर्जेंटीना को झकझोर दिया था और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी निंदा हुई थी। गौरतलब है कि क्रिस्टिना किर्चनर इस समय एक अलग भ्रष्टाचार मामले में गृह नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) में हैं।

इजराइली खुफिया विभाग ने अपहृत नेपाली नागरिक बिपिन जोशी का नया वीडियो जारी किया

काठमांडू। इजराइली खुफिया एजेंसी ने 2023 में 7 अक्टूबर के हमलों के दौरान हमास द्वारा अपहरण किए गए नेपाली छात्र बिपिन जोशी का एक नया वीडियो जारी किया है। हमास के कब्जे में रहे जोशी के परिवार ने पुष्टि की है कि वीडियो बुधवार शाम को सार्वजनिक किया गया है। इज़राइल के बंधक परिवार मंच ने कहा कि वीडियो हाल ही में इजराइली खुफिया इकाइयों को मिला था बरामद और वीडियो में विपिन जोशी को दिखाया गया है, जिसे हमास हमले के दौरान किबुत्ज़ अलुमिम से अपहरण कर लिया गया था। जोशी परिवार ने एक बयान में कहा, गाजा से जीवन के इस सबूत ने हमारे अटूट विश्वास को मजबूत किया है कि वह अभी भी जीवित है। बिपिन जोशी 7 अक्टूबर के नरसंहार से ठीक तीन सप्ताह पहले एक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इज़राइल पहुंचे थे। उन्हें किबुत्ज़ अलुमिम से बंधक बना लिया गया था, जहां कई नेपाली छात्र रह रहे थे। नवंबर 2023 में जोशी ने पकड़े जाने से पहले एक आश्रय में छिपे कई लोगों की जान बचाई थी। विपीन के मित्रों ने उस वक्त बताया था कि उसने आश्रय में फेंके गए दो ग्रेनेडों में से एक को पकड़ा, जिससे आगे हताहतों को रोका जा सका था।

इजराइल ने मानवीय सहायता लेकर गाजा जा रहे नौ नावों के बेड़े को रोका

तेल अवीव। इज़राइली सेना ने गाजा में मानवीय सहायता ले जा रहे नौ नावों के बेड़े को बुधवार तड़के भूमध्य सागर में रोक लिया। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया। इज़राइली विदेश मंत्रालय ने बताया कि हिरासत में लिए गए 145 लोगों को जल्द ही निर्वासित किया जाएगा। इनमें डॉक्टर, राजनेता और तीन तुर्की सांसद समेत कई लो सवार थे। बेड़ा कुछ खाद्य सामग्री और चिकित्सा सहायता लेकर गाज़ा के अस्पतालों के लिए जा रहा था। पिछले हफ्ते 450 से अधिक लोगों को 40 से अधिक नावों पर गाज़ा पहुंचने से रोका गया था। वे भी मानवीय सहायता लेकर जा रहे थे। इनमें यूरोपीय सांसद और जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग भी शामिल थीं। ग्लोबल सुमूद फ्लोटिला नामक इस बेड़े को रोकने की घटना की व्यापक आलोचना हुई और विरोध प्रदर्शन हुए थे। बेड़े से निर्वासित कुछ कार्यकर्ताओं ने इज़राइली गार्ड्स द्वारा उनसे दुर्व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया था जिसे इज़राइल ने खारिज कर दिया। इस बीच इजराइल द्वारा कब्जे में ली गई नौ नावों पर सवार लोगों ने इस कार्रवाई को मनमानी और अवैध बताया। आयोजकों ने बताया कि नावों को गाज़ा तट से लगभग 120 समुद्री मील दूर रोका गया। आयोजकों द्वारा जारी वीडियो में देखा गया कि बेड़े की नावों के पास तेज़ गति वाली जहाज़ें आईं और फिर इज़राइली सैनिकों ने उन्हें अपने कब्ज़े में ले लिया। इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इस बीच इजराइली विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा कि नौसैनिक नाकेबंदी तोड़ने और युद्ध क्षेत्र में प्रवेश करने का एक और निष्फल प्रयास विफल रहा।

जापान के कितागावा, ऑस्ट्रेलिया के रॉबसन और अमेरिका के याघी को मिलेगा रसायन विज्ञान का नोबेल

स्टॉकहोम। वर्ष 2025 के रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गयी। यह पुरस्कार जापान के सुसुमु कितागावा, ऑस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन और अमेरिका के ओमर एम. याघी को दिया जाएगा। स्वीडिश रॉयल एकेडमी ऑफ साइंसेज ने यह सम्मान उन्हें मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स के विकास के लिए दिया है। यह ऐसे क्रिस्टलीय पदार्थ हैं जो धातुओं और ऑर्गेनिक अणुओं से मिलकर बनते हैं और गैसों, दवाओं एवं रसायनों के भंडारण और शुद्धिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनका ढांचा बेहद छिद्रयुक्त होता है, जिससे ये गैसों, तरल पदार्थों या अणुओं को अवशोषित और संग्रहीत कर सकते हैं। इस खोज ने ऊर्जा भंडारण, पर्यावरण शुद्धिकरण, दवा वितरण और गैस पृथक्करण जैसे क्षेत्रों में क्रांति ला दी। सुसुमु कितागावा जापान के क्योटो विश्वविद्यालय, रॉबसन ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय और उमर एम. याघी अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से जुड़े हुए हैं। एकेडमी के मुताबिक पुरस्कार समारोह स्टाकहोम में 10 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा, जिस दिन इन पुरस्कारों के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि है। पुरस्कार के तहत विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (करीब 10.3 करोड़ रुपये), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

श्रीलंकाई नौसेना ने 47 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया, तमिलनाडु के मछुआरा समुदाय में दहशत

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने रातोंरात 47 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया। इससे तमिलनाडु के मछुआरा समुदाय में हड़कंप है। आरोप लगाया गया है कि सभी भारतीय मछुआरे श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से शिकार कर रहे थे। ऑनलाइन पोर्टल न्यूज फर्स्ट श्रीलंका की रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंकाई नौसेना ने अपने देश के जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने की गतिविधियों में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में 47 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को मन्नार और डेल्फ्ट समुद्री क्षेत्रों में समन्वित गश्त के दौरान हिरासत में लिया गया। इस अभियान के दौरान पांच भारतीय मछली पकड़ने वाली नौकाओं को जब्त कर लिया गया। भारत के

रामेश्वरम से एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रामेश्वरम के मछली पकड़ने वाले बंदरगाह से 300 से अधिक नावों में सवार मछुआरे कल शाम मछली पकड़ने समुद्र में गए। जब वे धनुषकोडी और थलाईमन्नार के बीच मछली पकड़ रहे थे, तभी उस इलाके में गश्त कर रही श्रीलंकाई नौसेना ने बंदूक के जोर पर रामेश्वरम के 30 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी चार मोटरबोट भी जब्त कर ली। इन मछुआरों को मन्नार नौसैनिक शिविर ले जाया गया। श्रीलंकाई नौसेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि इन मछुआरों को उनकी नावों के साथ मन्नार मत्स्य विभाग के अधिकारी को सौंप दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंकाई नौसेना ने कल रात श्रीलंका के नेदुनथीवु के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ रहे 17 मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी एक नाव जब्त कर ली। सीमा पार से मछली पकड़ने के सामान्य आरोप में गिरफ्तार किए गए 17 मछुआरों को कांकेसंथुराई नौसैनिक शिविर ले जाया गया। अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि ये मछुआरे किस क्षेत्र के हैं।

बलोच लिबरेशन आर्मी का खारन में पाकिस्तानी सेना पर धावा, पांच सैनिकों को मारा

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने खारन में पाकिस्तानी सेना के ठिकाने पर धावा बोलकर पांच सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया। बीएलए कमांडरों ने खारन के गारक इलाके में बांध के पास कब्जा कर रही पाकिस्तानी सेना को उलटे पांव भागने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान दोनों तरफ से भीषण गोलीबारी हुई। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट के अनुसार, बलोच लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता जैंद बलोच ने मीडिया को भेजे बयान में इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बयान में कहा गया है कि बीएलए लड़ाकों नेखारन में पाकिस्तानी सेना को नुकसान पहुंचाया है। बीएलए कमांडरों ने खारन के गारक इलाके में बांध के पास कब्जा कर रही पाकिस्तानी सेना की चौकी को मटियामेट कर दिया। लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना के जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस दौरान पांच सैनिक मौके पर ही मारे गए और कई घायल हो गए। जैंद बलोच ने कहा कि बलोच लिबरेशन आर्मी हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करती है। उधर, बलोचिस्तान में नागरिकों और युवकों को जबरन गायब किए जाने के खिलाफ वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स ने संघीय सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने क्वेटा प्रेस क्लब के सामने पीड़ित परिवारों के साथ सभा की।

ट्रंप ने कहा-अमेरिकी टैरिफ शांति समझौतों में मददगार

वाशिंगटन। हमास और इजराइल को गाजा में शांति के लिए तैयार करने में कामयाब होते दिख रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि टैरिफ उन्हें शांति समझौता कराने में मदद करते हैं। टैरिफ शांति समझौते कराने की उनकी क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका उन लोगों के साथ समझौता नहीं करेगा जो लड़ते हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं आपको बता रहा हूं कि टैरिफ ने दुनिया में शांति ला दी है। टैरिफ आपको शांति का एक शानदार रास्ता दिखाते हैं और लाखों लोगों की जान बचाते हैं। ट्रंप ने कहा कि उनके टैरिफ ने इस साल की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान को युद्धविराम पर सहमत कराने में भूमिका निभाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रात कहा कि मध्य पूर्व के अन्य देश गाजा के पुनर्निर्माण में मदद करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि वह अन्य देश

गाजा के पुनर्निर्माण में मदद करेंगे। हम इसे सफल बनाने और इसे शांतिपूर्ण बनाए रखने में उनकी मदद करेंगे। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र गाजा युद्धविराम और बंधक समझौते के पूर्ण कार्यान्वयन का समर्थन करेगा। गुटेरेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र निरंतर और सैद्धांतिक मानवीय राहत के वितरण को बढ़ाएगा।

अपनों के लिए धड़का इजराइल का दिल

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल और हमास के बीच एक और युद्धविराम होने की सूचना से बंधकों के परिवार ही नहीं राजनीतिक दल बेहद उत्साहित हैं। बंधकों के परिवारों का दिल तेजी धड़क उठा है। लोग जल्द से जल्द अपने प्रियजनों को देखने के लिए बेताब हैं। इजराइल की प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और नेता हमास के साथ हुए इस समझौते से खुश है। सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने कहा कि इस समय इजराइल का दिल बंधकों और उनके परिवारों के साथ एक होकर धड़क रहा है। उन्होंने भावुक होते हुए एक्स पर लिखा, भविष्यवक्ता यिर्मयाह ने कहा था कि वे दुश्मन के देश से लौट जाएंगे और बच्चे अपनी सीमाओं पर लौट जाएंगे। रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने इस समझौते को बहुत बड़ा आशीर्वाद बताते हुए इसके लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताया है। उन्होंने इस समझौते को संभव बनाने वाले नेतृत्व और इजराइली रक्षा बलों के सैनिकों को भी धन्यवाद दिया।

कैट्ज ने एक्स पोस्ट में लिखा, मैं बंधकों के परिवारों को उनके प्रियजनों, जिनमें आईडीएफ के सैनिक और शहीद सैनिक भी शामिल हैं, की अपेक्षित घर वापसी के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। पूरा देश इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा है और उत्साहित है। विपक्षी नेता यायर लैपिड ने लिखा, हम अपने बच्चों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। धन्यवाद ट्रंप! पूर्व रक्षामंत्री बेनी गैंट्ज़ ने लिखा, हमारे सभी अपहृत लोगों को वापस लाने की योजना के लिए बधाई। हमारी संवेदनाएं उन 48 परिवारों के साथ हैं और हम उन सभी की वापसी की आशा और प्रार्थना करते हैं। जीवित लोग अपने प्रियजनों के पास लौटें।

ट्रंप ने कहा-इजराइल और हमास ने मानी बात, गाजा में शांति को तैयार, दोनों ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज कुछ देर पहले कहा कि इजराइल और हमास उनकी गाजा शांति योजना को मानने के लिए तैयार हो गए हैं। दोनों ने उनकी 20 सूत्री इस योजना पर सहमति जताई है। युद्धविराम के प्रथम चरण के लिए दोनों ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अनुमान है कि बंधकों की रिहाई सोमवार से शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि मिस्र के शर्म अल-शेख शहर में इजराइल और हमास के बीच गाजा युद्ध को खत्म करने के लिए परोक्ष वार्ता चल रही है। हमास ने बंधकों और फलस्तीनी कैदियों की अदला-बदली की सूची सौंप दी है।

सीएनएन न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने यह घोषणा करने से पहले स्टेट डाइनिंग रूम से निकलने के बाद से ओवल ऑफिस में फोन पर बातचीत की। इससे लगभग एक घंटे पहले स्टीव विटकॉफ और अपने दामाद जेरेड कुशनर से बात की। कुछ देरबाद

इजराइल और हमास के बीच चल रही वार्ता की प्रगति का विवरण अपने ट्रुथ सोशल पर साझा किया। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि अमेरिका का अनुमान है कि बंधकों की रिहाई सोमवार से शुरू होगी। इस अधिकारी ने कहा कि अब गुरुवार को इजराइली कैबिनेट के समक्ष इस समझौते के प्रस्ताव को रखा जाएगा। इसके बाद युद्धविराम योजना पर अमल शुरू हो जाएगा।

इस बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्रंप को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें इजराइली संसद नेसेट को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, ट्रंप ने नेतन्याहू को उनके नेतृत्व और कार्यों के लिए बधाई दी। उधर, युद्धविराम संबंधी खबर जंगल में आग की तरह फैल गई है। बंधकों के परिवारों ने खुशी जताई है। बंधक गली और जिव बर्मन के भाई लिरन बर्मन ने समझौते की घोषणा के तुरंत बाद एक्स पर कहा कि वह सचमुच बहुत खुश है। वह अपने प्रियजनों से जल्द से जल्द मिलना चाहता है। इजराइली रक्षा बल के सैनिक इतेय चेन (जिनका शव हमास के पास है) के पिता रूबी चेन ने एक पोस्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी वार्ता दल के अन्य सदस्यों का आभार व्यक्त किया है।

संसद भंग और वर्तमान सरकार की वैधानिकता को कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस और नेकपा एमाले भंग प्रतिनिधि सभा की बहाली और वर्तमान सरकार की वैधता पर सवाल उठाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहे हैं। भंग किए गए प्रतिनिधि सभा में ये दोनों सबसे बड़ी पार्टी रही है। नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने बताया कि दोनों ही दल संयुक्त रूप से इस विषय पर कानूनी परामर्श में शुरू से जुटी हुई है। महत का दावा है कि जैसे ही अदालती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी उसी दिन हमारे तरफ से कोर्ट के याचिका दाखिल करने की तैयारी है।

नेकपा एमाले के उपमहासचिव प्रदीप ज्ञवाली ने कहा कि संसद भंग किसी भी दृष्टि से संवैधानिक नहीं है। उन्होंने बताया कि अदालत का ही आदेश है कि जब तक सरकार बनने की संभावना बनी रहेगी तब तक संसद भंग नहीं होना चाहिए। उसी को आधार बना कर रिट दायर करने की तैयारी है। इन दोनों दलों का मानना है कि सुशीला कार्की सरकार का गठन भी असंवैधानिक है इसलिए इस

सरकार की वैधानिकता पर भी सवाल उठाया जाएगा। नेपाल के जानेमाने संविधान विशेषज्ञ भीमार्जुन आचार्य ने कहा कि संसद भंग और सरकार की वैधानिकता को चुनौती देने वाली रिट एक साथ ही अदालत में दायर की जाएगी।

रूस में बेलगोरोड क्षेत्र में यूक्रेनी गोलीबारी में तीन लोग मरे, दर्जनों घायल

एजेंसी

मॉस्को। रूस के सीमावर्ती क्षेत्र बेलगोरोड पर यूक्रेनी गोलाबारी और ड्रोन हमले में तीन लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने यह जानकारी दी। ग्लैडकोव ने टेलीग्राम पर लिखा, ÷शेबेकिंस्की में मास्लोवा प्रिस्तान बस्ती पर गोलाबारी हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीन लोगों की जान चली गई और एक घायल हो गया।÷ उन्होंने आगे बताया कि एक सामाजिक सुविधा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई है। राज्यपाल ने कहा कि यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने पिछले 24 घंटों में बेलगोरोड क्षेत्र के आबादी वाले इलाकों पर 110 से ज्यादा मानवरहित हवाई वाहनों से

हमला किया और 20 से ज्यादा राउंड गोलाबारी की। उन्होंने बताया कि ग्रेवोरोन्स्की जिले के रिहायशी इलाकों पर 16 ड्रोन और नौ राउंड गोलाबारी की गई। उन्होंने कहा, मोशचेनॉय गांव में एक ट्रक पर ड्रोन हमले में एक बच्चे समेत छह लोग घायल हो गए। चार साल की एक बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी जांच की गई तो बैरोट्रॉमा की पुष्टि नहीं हुई। ग्लैडकोव ने आगे कहा, छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि एक घायल का बाह्य रोगी उपचार जारी है।

उन्होंने बताया कि एक मोटर वाहन पर ड्रोन हमले में एक अन्य नागरिक घायल हो गया और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। साथ ही, एक घर भी क्षतिग्रस्त हो गया। ग्लैडकोव ने बताया कि क्षेत्र में कई अन्य स्थानों पर यूक्रेनी ड्रोन और अन्य तरीकों से हमले हुए हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए हैं।

पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी ने खुद को निर्दोष बताया, ट्रंप के दबाव में दर्ज हुए मामले में पेशी

एजेंसी

अलेक्जेंड्रिया (वर्जीनिया)। अमेरिका के पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी ने झूठे बयान देने और कांग्रेस जांच में बाधा डालने के आरोपों में अदालत में खुद को निर्दोष बताया। यह मामला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में दायर किया गया बताया जा रहा है और इसे ट्रंप प्रशासन द्वारा उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ पहली बड़ी कानूनी कार्रवाई माना जा रहा है। यह आरोपपत्र ट्रंप की पूर्व निजी वकील लिंडसे हैलिगन द्वारा तैयार किया गया, जिन्हें पिछले महीने वर्जीनिया के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट की यू.एस. अटॉर्नी के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती कोमी के खिलाफ कार्रवाई में हिचक दिखाने पर पद से हटा दिया था। आरोपों के अनुसार, कोमी ने 2020 में एक सुनवाई के दौरान एक रिपब्लिकन सीनेटर से झूठा बयान दिया था कि उन्होंने किसी भी एफबीआई अधिकारी

को मीडिया में अज्ञात स्रोत के रूप में जानकारी देने की अनुमति नहीं दी। अभियोगपत्र में कहा गया है कि उन्होंने एक एफबीआई कर्मचारी को एक संघीय जांच से संबंधित जानकारी साझा करने की अनुमति दी थी, यह जांच संभवतः 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान हिलेरी क्लिंटन से जुड़ी थी। कोमी ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए न्यायिक परीक्षण (ट्रायल) की मांग की है। ट्रंप लंबे समय से अपने राजनीतिक विरोधियों को जेल भेजने की धमकी देते रहे हैं, लेकिन कोमी के खिलाफ यह पहली बार है जब किसी ग्रैंड ज्यूरी ने औपचारिक आरोपपत्र जारी किया है। गौरतलब है कि ट्रंप ने 2017 में कोमी को बर्खास्त किया था, जब वे एफबीआई में ट्रंप के चुनाव अभियान और रूस के बीच संबंधों की जांच का नेतृत्व कर रहे थे। यह मामला बाद में विशेष वकील रॉबर्ट मुलर की जांच में बदल गया, जिसने निष्कर्ष निकाला कि आपराधिक साजिश के पर्याप्त सबूत नहीं मिले।

शिकागो के मेयर और इलीनॉय के गवर्नर को जेल में डाला जाएः ट्रंप

क्विटो।

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सार्वजनिक तौर पर मांग की कि शिकागो के मेयर और इलीनॉय राज्य के गवर्नर को जेल में डाला जाए। ये दोनों ही डेमोक्रेट नेता हैं। अपने सोशल मीडिया मंच पर ट्रम्प ने शिकागो के मेयर ब्रैंडन जॉन्सन और इलीनॉय के राज्यपाल जे.बी. प्रिट्जकर पर आरोप लगाया कि उन्होंने शहर में तैनात इमिग्रेशन और कस्टम्स इनफोर्समेंट (आईसीई) अधिकारियों की सुरक्षा में विफलता दिखायी। ट्रंप ने कहा, आईसीई के अधिकारियों को सुरक्षा प्रदान करने में असफल रहने पर शिकागों के मेयर को जेल में होना चाहिए। गवर्नर प्रिटजकर को भी। गौरतलब है कि टेक्सास नेशनल गार्ड के सैकड़ों सैनिक शिकागो के बाहरी क्षेत्र में एक सैन्य ठिकाने पर इकट्ठे हो चुके हैं, जहां उन्हें तैनात करने का यह निर्णय प्रिट्जकर, जॉन्सन और अन्य डेमोक्रेट नेताओं द्वारा विरोध के बावजूद लिया गया। ट्रम्प ने इस तरह की तैनाती अन्य अमेरिकी शहरों में बढ़ाने की धमकी दी है। इस बीच एक हालिया सर्वेक्षण में अधिकांश अमेरिकियों ने बिना बाहरी खतरे के शहरों में फौजी तैनाती का विरोध किया है। कई स्थानीय डेमोक्रेट नेताओं का तर्क है कि ट्रम्प कानून और अपराध की समस्या का दिखावा कर रहे हैं ताकि इसका उपयोग सैन्य कार्रवाई को उचित ठहराने के लिए किया जा सके।

यमन में हूतियों ने एक संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी को किया रिहा, बाकी की बिना शर्त रिहाई की मांग

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र ने यमन में हूतियों द्वारा मानवीय कार्यों में लगे अपने कर्मचारियों की मनमानी हिरासतों की निंदा की है। साथ ही उन्हें बिना शर्त रिहा करने का आग्रह किया है। इसके बाद इस सप्ताह की शुरुआत में यमन में हिरासत में लिए गए एक संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी को रिहा कर दिया गया है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने दी। स्थानीय समयानुसार दुजारिक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यमन में हमारे सहकर्मियों ने हमें बताया कि मंगलवार को हिरासत में लिए गए अतिरिक्त व्यक्ति को रिहा कर दिया गया है। यमन में अब तक हिरासत में लिए गए संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों की संख्या 53 हो गई है। उन्होंने कहा कि हूतियों ने 2021 से कुछ संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों को हिरासत में लिया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्टीफन दुजारिक ने हूती समूह से यमन में सबसे कमजोर लोगों की सहायता कर रहे सभी संयुक्त राष्ट्र और मानवीय

कार्यकर्ताओं को तुरंत और बिना शर्त रिहा करने का आग्रह किया है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपने सहयोगियों की लगातार मनमानी हिरासतों और हूतियों के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र परिसरों और संपत्तियों की चल रही गैरकानूनी जब्ती की कड़ी निंदा की थी। उन्होंने हाल ही में नौ अतिरिक्त संयुक्त राष्ट्र कर्मियों को हिरासत में लेने के बाद अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की थी।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा कि ये कार्रवाइयां संयुक्त राष्ट्र की यमन में काम करने की क्षमता में बाधा डालती हैं। महासचिव यमन में संयुक्त राष्ट्र कर्मियों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं।

बयान में कहा गया है कि गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों और राजनयिक मिशनों के सभी कर्मियों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई के अपने तत्काल आह्वान को दोहराया है। उन्होंने कहा कि लागू अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार उनका सम्मान और संरक्षण किया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने यह भी दोहराया कि उनके कर्मियों को बिना किसी बाधा के स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के परिसर और संपत्तियां अनुल्लंघनीय हैं और संयुक्त राष्ट्र चार्टर और संयुक्त राष्ट्र के विशेषाधिकारों और उन्मुक्तियों पर कन्वेंशन के अनुरूप, हर समय उनकी रक्षा की जानी चाहिए। बयान में कहा गया है, ÷संयुक्त राष्ट्र मनमाने ढंग से हिरासत में लिए गए सभी कर्मियों की सुरक्षित और तत्काल रिहाई और संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के कार्यालयों और अन्य संपत्तियों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करता रहेगा और सभी उपलब्ध माध्यमों से काम करता रहेगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव यमन के लोगों और उनकी आकांक्षाओं का समर्थन करने की प्रतिबद्धता जता चुके हैं।

क्वांटम कंप्यूटिंग के दौर में प्रणालीगत सुरक्षा के लिए सेबी उठा रहा कदमः तुहिन कांत पांडेय

एजेंसी
मुंबई। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग की शुरुआत से बड़ी सुरक्षा चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि नियामक इसे ध्यान में रखते हुए पहले से ही प्रणाली को सुरक्षित बनाने की तैयारी कर रहा है। तुहिन कांत पांडेय ने मुंबई में आयोजित 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग में ऐसी प्रौद्योगिकी क्षमता है, जिससे पासवर्ड जैसे बेहद सुरक्षित माने जाने वाले सुरक्षा तंत्र भी खतरे में पड़ सकते हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि उद्योग समय रहते 'क्वांटम सुरक्षित' प्रणाली के लिए तैयार हो। सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक ने सभी विनियमित हितधारकों को 'क्वांटम के लिए तैयारी' सुनिश्चित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की है। इस योजना के तहत तीन चरणों- खोज, तैयारी एवं क्रियान्वयन के जरिए आगे दो से चार वर्षों में सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ किया जाएगा। पांडेय ने कहा कि हम 2028 या 2029 को ध्यान में रखते हुए 'क्वांटम सेफ' कंप्यूटिंग को प्राथमिकता दे रहे हैं, ताकि उद्योग क्वांटम-सुरक्षित क्रिप्टोग्राफी की दिशा में कदम बढ़ा सके। पांडेय ने कहा कि क्रिप्टोग्राफी का मतलब किसी संदेश, डाटा या संचार को अनधिकृत व्यक्तियों से सुरक्षित रखने की तकनीक है। उन्होंने कहा कि क्वांटम मैकेनिक्स के सिद्धांतों पर आधारित क्वांटम कंप्यूटिंग पारंपरिक कंप्यूटर की क्षमताओं से कहीं अधिक जटिल समस्याओं को सुलझाने में सक्षम होगी।

स्टॉक मार्केट में जेलियो ई-मोबिलिटी की शानदार शुरुआत, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक टू और थ्री व्हीलर बनाने वाली कंपनी जेलियो ई-मोबिलिटी लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 136 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 13.89 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 154.90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 162.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 19.56 प्रतिशत का फायदा हो गया। जेलियो ई-मोबिलिटी लिमिटेड का 78.34 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.50 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.76 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.32 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

चिरहरित ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। अलग-अलग सेक्टर्स को इनोवेटिव सॉल्यूशन मुहैया कराने वाली कंपनी चिरहरित लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 21 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 16.80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर गिर कर 15.96 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। चिरहरित लिमिटेड का 31.07 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.88 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.73 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

मणिपालसिग्ना ने लॉन्च किया 'सर्वः' - किफायती और भरोसेमंद स्वास्थ्य बीमा समाधान

जयपुर। भारत की अग्रणी स्वास्थ्य बीमा कंपनी मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस ने राजस्थान में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ करते हुए किफायती और भरोसेमंद स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की श्रृंखला प्रस्तुत की है। कंपनी ने राज्य में हजारों परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की है और पिछले तीन वित्तीय वर्षों में 54.31 करोड़ रुपये के क्लेम का निपटारा किया है। वर्ष 2024-25 के दौरान मणिपालसिग्ना ने पूरे देश में प्राप्त कुल क्लेम्स में से 94 प्रतिशत का निपटारा किया, जबकि जनवरी से अगस्त 2025 के बीच केवल राजस्थान में ही 11 करोड़ रुपये के क्लेम का भुगतान किया गया। वर्तमान में कंपनी राज्य में चार हजार से अधिक सलाहकारों और पांच शाखाओं के माध्यम से कार्यरत है तथा अगले तीन वर्षों में अपने व्यवसाय को तीन गुना बढ़ाने और आगामी दो वर्षों में शाखाओं की संख्या दोगुनी करने की योजना बना रही है।

भारत का हाइड्रोजन युग हो गया शुरूः पुरी

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत का हाइड्रोजन युग शुरू हो गया है। देश का लक्ष्य 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन का है, जो ग्लोबल मार्केट में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करेगा। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि हरित हाइड्रोजन की कीमत वर्तमान 3.5 डॉलर प्रति किलोग्राम से घटकर 3 डॉलर प्रति किलोग्राम से नीचे आने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, +अगर कीमतें कम होती हैं, तो भारत बड़े पैमाने पर हरित हाइड्रोजन को अपना सकता है, जिससे अंततः हमारी आयात निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में, भारत एक विश्वसनीय हाइड्रोजन हब का निर्माण कर रहा है, जो विकास, निर्यात और एक स्वच्छ भविष्य को बढ़ावा देगा। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, 2.5 डॉलर प्रति किलोग्राम की कीमत पर, भारत 150 अरब डॉलर के ऊर्जा आयात की भरपाई कर सकेगा। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि लगभग 1 (एमटीपीए) हरित हाइड्रोजन क्षमता की योजना बनाई गई है, जिसकी शुरुआत 42 केटीपीए टेंडर से होगी और बाद में इसे बढ़ाकर 170 केटीपीए किया जाएगा। पायलट फेज में 9 ईंधन भरने वाले स्टेशनों के साथ 37 हाइड्रोजन वाहन लॉन्च किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 19 कंपनियों को लगभग 9 लाख टन प्रति वर्ष (टीपीए) क्षमता के ठेके दिए गए हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4 जनवरी 2023 को 19,744 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी थी। इस मिशन का उद्देश्य 2030 तक हरित हाइड्रोजन के 5 एमएमटी प्रति वर्ष उत्पादन के लक्ष्य के साथ भारत को हरित हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव्स के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक ग्लोबल हब बनाना है। मिशन के हिस्से के रूप में निर्यात और घरेलू उपयोग के माध्यम से मांग सृजन को सुविधाजनक बनाना, स्टील, मोबिलिटी, शिपिंग, विकेन्द्रीकृत ऊर्जा का इस्तेमाल, बायोमास से हाइड्रोजन उत्पादन, हाइड्रोजन भंडारण आदि के लिए पायलट परियोजनाएं, ग्रीन हाइड्रोजन हब का विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए समर्थन इसके प्रमुख घटक हैं। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का वित्त वर्ष 2024-25 के लिए विभिन्न मदों में 600 करोड़ रुपए का परिव्यय निर्धारित है।

स्टॉक मार्केट में वालप्लास्ट टेक्नोलॉजीज की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली। सिविल कंस्ट्रक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी वालप्लास्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 5.55 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 57 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 59.85 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि कारोबार के आखिरी आधे घंटे में हुई मामूली बिकवाली के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 59.70 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 10.56 प्रतिशत का फायदा हो गया। वालप्लास्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का 28.09 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.19 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.74 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.46 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52.02 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

भारत सरकार का डेट वित्त वर्ष 31 तक घटकर जीडीपी का 77 प्रतिशत होने का अनुमान : रिपोर्ट

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत सरकार का डेट वित्त वर्ष 31 तक घटकर जीडीपी के 77 प्रतिशत तक पहुंच सकता है और वित्त वर्ष 35 में घटकर 71 प्रतिशत हो सकता है, जो कि मौजूदा समय में 81 प्रतिशत पर है। यह जानकारी जारी एक रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में बताया गया कि जीडीपी अनुपात के मुकाबले डेट में कमी आने की वजह सरकार का राजकोषीय समेकन और जीडीपी वृद्धि दर का लगातार 6.5 प्रतिशत के आसपास बने रहना है। हालांकि, कुछ राज्यों द्वारा दी जाने वाली मुफ्त रेवड़ियों और डेट की स्थिति को भविष्य में मॉनिटर किया जाना आवश्यक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के सरकारी डेट में कमी आने का अनुमान है, लेकिन राजस्व प्राप्तियों की तुलना में ब्याज भुगतान में वृद्धि एक चुनौती बनी रहेगी। ग्लोबल इकोनॉमी अपडेट शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकतर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ज्यादा महंगाई दर

की वजह बढ़ती सेवा लागत, बढ़ती मजदूरी और बढ़ता डेट के स्तर हैं।

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते टैरिफ ने भी अमेरिका में महंगाई को बढ़ावा दिया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने सितंबर में अपनी नीतिगत दर में 25 आधार अंकों की कटौती की थी और इस साल दो और कटौती का संकेत दिया है। केयरएज रेटिंग्स ने संकेत दिया है कि लंबे समय तक शटडाउन रहने से उपभोक्ता और निवेशक धारणा कमजोर हो सकती है और समग्र आर्थिक गतिविधि धीमी हो सकती है। जापान में मुद्रास्फीति कम हो रही है, लेकिन पिछले तीन वर्षों से लगातार केंद्रीय बैंक के 2 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजार को उम्मीद है कि साल के अंत तक बैंक ऑफ जापान द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना है।

जयंत चौधरी ने एआई पर नीति आयोग के रोडमैप का किया अनावरण

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने नीति आयोग के फ्रंटियर टेक हब अध्ययन, समावेशी सामाजिक विकास के लिए एआई का शुभारंभ किया। इसे डेलॉइट के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है।कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि ये अग्रणी रिपोर्ट व्यवस्थित रूप से यह पता लगाने का अपनी तरह का पहला प्रयास है कि किस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अग्रणी प्रौद्योगिकियां भारत के 490 मिलियन अनौपचारिक श्रमिकों के जीवन और आजीविका को बदल सकती हैं। जयंत चौधरी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि यह रिपोर्ट अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में समावेशिता और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए एआई का लाभ उठाने का एक रोडमैप प्रदान करती है, जो 2047 तक भारत के विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। चौधरी ने कहा, भारत के अनौपचारिक कामगारों को सशक्त बनाना सिर्फ एक आर्थिक

प्राथमिकता नहीं, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। कामगारों के लिए एआई में डिजिटल कौशल विकास का लक्ष्य, एआई और अग्रणी तकनीकों का लाभ उठाकर, शिक्षा को अनुकूल, सुलभ और मांग-आधारित बनाने के हमारे राष्ट्रीय कौशल एजेंडे के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। उन्?होंने कहा कि सरकार, उद्योग और नागरिक समाज को एक साथ लाकर, यह मिशन यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक कामगार–चाहे वह किसान हो, कारीगर हो या स्वास्थ्य सेवा सहायक–के पास भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था में फलने-फूलने के लिए आवश्यक कौशल, उपकरण और अवसर हों।

सर्राफा बाजार में मजबूती का सिलसिला जारी, सोना और चांदी ने फिर बनाया तेजी का नया रिकॉर्ड

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। ये दोनों चमकीली धातुएं आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई हैं। आज के कारोबार में सोना 1,750 रुपये से लेकर 1,910 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी भी 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है।

कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,23,940 रुपये से लेकर 1,24,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,13,610 रुपये से लेकर 1,13,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,24,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,23,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24

कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,23,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,23,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,13,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,23,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,24,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,13,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,23,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,13,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,24,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,23,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,13,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत का डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से परिपक्व हुआ : संजय मल्होत्रा

एजेंसी
मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों से उपयोग में आसान और सभी के लिए सुलभ उत्पाद डिजाइन करने को कहा, ताकि भारत को वित्तीय समावेश हासिल करने और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने में मदद मिल सके। संजय मल्होत्रा ने यहां 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। आरबीआई गवर्नर ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि भारत का डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से परिपक्व हुआ है और दैनिक यूपीआई लेनदेन अब वैश्विक रीयल-टाइम भुगतानों का आधा हिस्सा है। उन्होंने बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मुद्दे का भी उल्लेख किया और इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए प्रयास करने की वकालत की। मल्होत्रा ने फिनटेक कंपनियों से आग्रह किया कि वे भारत के कम विकसित क्षेत्रों में पहुंच में सुधार करें, तथा ऐसे उत्पाद डिजाइन करें जो कम डिजिटल साक्षरता वाले लोगों के लिए सहज और उपयोग में आसान हों।ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2025 में आरबीआई के गवर्नर ने फिनटेक कंपनियों के लिए पांच मार्गदर्शक सिद्धांतों को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में वित्तीय समावेशन और नवाचार को गति देना है। उन्होंने कंपनियों को सहज अनुभव बनाने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि ग्राहकों को कभी भी सहायता पर निर्भर न रहना पड़े, जिससे परेशानी कम हो और सहभागिता में सुधार हो। उन्होंने कहा कि डेटा की उपलब्धता के कारण अब रिटर्न दाखिल करने जैसे काम में महीनों लगने वाले काम कुछ ही मिनटों में हो जाते हैं। मल्होत्रा ने डिजिलॉकर जैसी तकनीकी पहलों और जीएसटी कार्यान्वयन में सहायक आईटी ढांचे पर भी प्रकाश डाला।

ग्रीनलीफ इनवायरोटेक ने किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी
नई दिल्ली। वेस्टवाटर ट्रीटमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्यूरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी ग्रीनलीफ एंवायरोटेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 136 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 0.81 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 134.90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही गिर कर 128.15 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.77 प्रतिशत का नुकसान हो गया। ग्रीनलीफ एंवायरोटेक का 21.90 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 6 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस

आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.84 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.52 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 17.81 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 3 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी और इक्विपमेंट्स की खरीदारी करने, पुराने कर्ज का बोझ हल्का करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 97 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.28 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.70 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 21 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 39.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में लगातार कमी आई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी पर 6.12 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में कम होकर 5.13 करोड़ रुपये हो गया।

डीएसएम फ्रेश फूड्स की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी
नई दिल्ली। जैपफ्रेश ब्रैंड नेम से फ्रेश मीट प्रोडक्ट्स बेचने वाली कंपनी डीएसएम फ्रेश फूड्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 120 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही 126 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 26 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। डीएसएम फ्रेश फूड्स का 59.06 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 सितंबर से 6 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.36 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.53 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.06 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.96 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 59,06,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर के साथ ही मार्केटिंग करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.67 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 9.05 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 52 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 131.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी पर 2.07 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 7.65 करोड़ रुपये हो गया।

सन स्काई लॉजिस्टिक की स्टॉक मार्केट में शानदार एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट

एजेंसी
नई दिल्ली। लॉजिस्टिक सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी सनस्काई लॉजिस्टिक लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 46 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10.86 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 51 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 53.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 16.41 प्रतिशत का फायदा हो गया। सनस्काई लॉजिस्टिक लिमिटेड का 16.84 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.46 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.01 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.93 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 36.60 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

भारत नवाचार का लोकतंत्रीकरण कर रहा है, इसे प्रत्येक नागरिक के लिए बना रहा है सुलभः पेम्मासानी चंद्रशेखर

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि राष्ट्रीय मानसिकता में सकारात्मक बदलाव से कृत्रिम मेधा, क्वांटम प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति को बढ़ावा मिल रहा है। भारत नवाचार को प्रत्येक नागरिक के लिए सुलभ बनाकर इसे एक जन आंदोलन में बदल रहा है। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री ने नई दिल्ली के यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के अवसर पर 'कनेक्टिविटी से परेः कल के नवाचार के इंजनों का लोकतंत्रीकरण÷ शीर्षक से एक सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। डॉ. पेम्मासनी चंद्रशेखर ने कहा कि कहा कि भारत नवाचार को एक विशिष्ट प्रयास से जनांदोलन में बदल रहा है। डॉ. चंद्रशेखर ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत एक ऐसा नवाचार इको-सिस्टम तैयार कर रहा है, जो समावेशी, सुलभ और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी हो। उन्होंने कहा, हम भविष्य के नवाचार के इंजनों को प्रत्येक भारतीय के लिए उपयोगी बनाकर इसका लोकतंत्रीकरण कर रहे हैं। 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025' में अपने संबोधन के दौरान मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नवाचार भारत के लिए नया नहीं है। डॉ. चंद्रशेखर ने राष्ट्रीय चिंतन में आए बदलाव को भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अटल टिंकरिंग लैब्स से लेकर स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक की पहल नवाचार को सभी के लिए सुलभ बना रही हैं। भारत की विरासत-शून्य और शतरंज-पर विचार करते हुए उन्होंने कहा, नवाचार हमारे डीएनए में है और हम इसे एक नई सदी के लिए जागृत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने जो हासिल किया है वह व्यवस्थित है। दुनिया भारत पर इसलिए विश्वास करती है क्योंकि भारत को खुद पर विश्वास है। हम भविष्य के नवाचार के इंजनों को हर भारतीय के लिए कारगर बनाकर इसका लोकतंत्रीकरण कर रहे हैं। डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि पिछले दशक में कनेक्टिविटी से रचनात्मकता की ओर भारत की नवाचार यात्रा एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको-सिस्टम बन गया है। यहां 1.9 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं, जबकि पेटेंट दाखिल करने की संख्या दोगुनी हो गई है, जो 2014 में 40,000 से बढ़कर 2025 में 80,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने देश के नवाचार परिदृश्य के तेजी से विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि कोड अब टियर-3 शहरों में लिखे जा रहे हैं और स्टार्टअप कॉलेज के छात्रावासों में जन्म ले रहे हैं। नवाचार अब एक विशेषाधिकार नहीं रहा, बल्कि यह एक राष्ट्रीय आदत बनता जा रहा है। डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डिजिटल समावेशन के एक दशक ने जेएएम ट्रिनिटी के जरिए 900 मिलियन उपयोगकर्ताओं तक कम लागत वाली इंटरनेट पहुंच और यूपीआई के 10 अरब से अधिक मासिक लेनदेन के माध्यम से नवाचार की नींव रखी है। इससे प्रत्येक नागरिक को जुड़ने, निर्माण करने और योगदान करने में सक्षम बनाया गया है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3, स्वदेशी 4जी/5जी, मेड-इन-इंडिया एमआरआई और रक्षा निर्यात में 30 गुना वृद्धि जैसी उपलब्धियां भारत की बढ़ती तकनीकी ताकत और आत्मनिर्भरता की ओर इसकी यात्रा को दर्शाती हैं। डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि जीएसटी, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, श्रम कानूनों का सरलीकरण और पूर्वव्यापी कराधान की समाप्ति जैसे सुधारों ने एक पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उन्होंने कहा, भारत लाइसेंस राज से हटकर विश्वास-प्रथम मॉडल की ओर अग्रसर होकर उद्यमियों को राष्ट्र-निर्माता के रूप में सम्मानित कर रहा है।

श्रीदेवी की इस फिल्म से लिया गया था

जान्हवी कपूर

का नाम, बॉक्स ऑफिस पर निकली थी सुपरहिट

बॉलवुड में 7 सालों से काम कर रहीं जान्हवी कपूर को अभी हिंदी सिनेमा में बड़ी और लंबी पारी खेलनी है. वो फिल्मी दुनिया में अपनी मां और दिग्गज अदाकारा श्रीदेवी की तरह नाम कमाना चाहती हैं. श्रीदेवी ने अपने करियर में खास और बड़ा नामा कमाया था. उन्हें हिंदी सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार भी कहा जाता था. श्रीदेवी ने अपने करियर में करीब 300 फिल्मों में काम किया था और कई बेहतरीन फिल्में दीं थीं. उनकी बेहतरीन फिल्मों में फिल्म 'जुदाई' भी शामिल रही है और इसी फिल्म से जान्हवी का नाम भी लिया गया था.श्रीदेवी ने मशहूर प्रोड्यूसर बोनी कपूर से शादी की थी. बोनी कपूर पहले से शादीशुदा थे. हालांकि उन्होंने श्रीदेवी के लिए साल 1996 में अपनी पत्नी मोना को तलाक दे दिया था. इसी साल उन्होंने श्रीदेवी से दूसरी शादी कर ली थी. बोनी और श्रीदेवी की शादी के कुछ महीनों बाद ही जान्हवी का जन्म हो गया था. बताया जाता है कि शादी से पहले ही श्रीदेवी प्रेग्नेंट थीं.

'जुदाई' से लिया गया था जान्हवी का नाम

शादी के बाद श्रीदेवी ने फिल्म 'जुदाई' में काम किया था. फिल्म की रिलीज के वक्त श्रीदेवी अपनी प्रेग्नेंसी के आखिरी दिनों में थी. इसमें उन्होंने अपने देवर और सुपरस्टार अनिल कपूर के साथ काम किया था. वहीं जुदाई में लीड रोल में अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर भी नजर आई थीं. 28 साल पुरानी इस पिक्चर का डायरेक्शन राज कंवर ने किया था. फिल्म में उर्मिला के किरदर का नाम जान्हवी था. श्रीदेवी और बोनी को ये नाम इतना पसंद आया था कि उन्होंने अपनी बड़ी बेटी को ये ही नाम दे दिया.

बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट निकली थी जुदाई

जहां राज कंवर ने जुदाई का डायरेक्शन किया था तो वहीं बोनी कपूर और उनके पिता सुरिंदर कपूर इस पिक्चर के प्रोड्यूसर्स थे. फिल्म में फरीदा जलाल, कादर खान, परेश रावल, दिनेश हिंगू और जॉनी लीवर जैसे कलाकार भी थे. फिल्म को 6 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था, जबकि इसने भारत में 14 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. वहीं वर्ल्डवाइड 28 करोड़ रुपये की कमाई करते हुए जुदाई बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी.

मेहंदी लगाई तो थप्पड़ पड़ता था, बाहर जाने की इजाजत नहीं थी...दीपक चाहर की बहन ने सुनाई आपबीती

बिग बॉस 19 की वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट मालती चाहर अपनी एंट्री के साथ ही चर्चा में हैं. जहां एक तरफ उन्होंने घर में तान्या मित्तल को आइना दिखाया, वहीं दूसरी तरफ अब उन्होंने अपनी निजी जिंदगी में किए संघर्षों का खुलासा किया है. जीशान कादरी और मृदुल तिवारी से बात करते हुए क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन ने बताया कि उनके परिवार में उनकी परवरिश कितनी सख्त माहौल में हुई है.मालती चाहर ने खुलासा किया कि उनके जन्म से पहले ही उनके पिता का एक सपना था कि उनकी बेटी आईपीएस अधिकारी बने. इस सपने को पूरा करने के लिए उनकी परवरिश बेहद अलग तरीके से की गई. मालती ने घर के अंदर बताया, मेरे पापा का सपना था मेरे पैदा होने से पहले कि एक बेटी हो और वो IPS ऑफिसर बने. इसलिए उन्होंने बहुत कोशिश की.

मेहंदी लगाने पर थप्पड़ ?

मालती ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्हें लड़कियों वाली हरकतें करने की बिल्कुल इजाज़त नहीं थी. पिता की सख्त पाबंदियों के कारण उन्हें अपनी ज्यादातर जिंदगी एक लड़के की तरह जीनी पड़ी. उन्होंने आगे कहा,मुझे घर से बाहर जाना अलाउड नहीं था. मेरे बॉयकट हेयर थे 12वीं क्लास तक. मुझे लड़कियों जैसे कपड़े पहनना भी अलाउड नहीं था. अगर मैंने मेहंदी लगाई तो थप्पड़ पड़ता था सीधे. मालती ने आगे कहा कि इसी वजह से वह लड़कों के साथ ज्यादा सहज महसूस करती हैं, क्योंकि वो बचपन से ही अपने पिता और उनके दोस्तों के बीच रही हैं.

टास्क में मिली 'डायन' की भूमिका

एक्टिंग की दुनिया में अपना जलवा बिखेरने के बाद अब मालती चाहर बिग बॉस 19 के घर में अपनी छाप छोड़ रही हैं. एक नए टास्क में उन्हें 'डायन' की भूमिका दी गई, इस टास्क में उन्हें कंटेस्टेंट को नॉमिनेट करना था. अपनी इस विशेष शक्ति का इस्तेमाल करते हुए मालती ने फरहाना भट्ट के साथ मिलकर घर के कई सदस्यों को नॉमिनेट किया. नॉमिनेट होने वालों में बसीर अली, अशनूर कौर, प्रणित मोरे, नीलम भट्ट, ज़ीशान कादरी और मृदुल तिवारी शामिल हैं.

आदमी कुंडली मिलाता है...अक्षय कुमार से शादी करने से पहले ट्विंकल खन्ना ने उठाया था ये कदम, सुनकर उड़ जाएंगे होश

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार आए दिन किसी ना किसी वजह के चलते सुर्खियों का हिस्सा बने रहते हैं. कभी अपने काम को लेकर तो कभी अपनी निजी जिंदगी को लेकर. अक्षय ने अब हाल ही में एक मजेदार किस्सा सभी के साथ शेयर किया. उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना ने शादी को साइंस के एक्सपेरिमेंट की तरह लिया था. उन्होंने उनके पूरे परिवार का बैकग्राउंड पता किया था.इस हफ्ते ट्विंकल खन्ना और काजोल के चैट शो टू मच पर सैफ अली खान और अक्षय कुमार ने शिरकत की. सभी ने चैट के दौरान कई मजेदार किस्से शेयर किए. अक्षय ने बताया कि शादी से पहले ट्विंकल ने कैसे उनके बैकग्राउंड की फुल जांच की थी. उन्होंने ये सब फेम और फ्यूचर के लिए नहीं किया था, बल्कि ये सब उन्होंने जेनेटिक्स के लिए किया.

शादी से पहले ट्विंकल ने उठाया था ऐसा कदम

अक्षय ने खुलासा किया कि शादी के लिए हां कहने से पहले ट्विंकल को ज्योतिष या राशिफल में कोई दिलचस्पी नहीं थी. इसके बजाय उन्होंने साइंस की ओर रुख किया. उन्होंने हंसते हुए कहा, आदमी जब शादी करता है तो दो कुंडलियां मिलती हैं. उन्हें इसमें विश्वास नहीं था. जानते हैं उन्होंने क्या किया ? उन्होंने मेरे पिता को किसी तरह की बीमारी तो नहीं है, इसकी जांच की ङ्क उन्होंने मेरे मामा, चाचा और चाची तक का सारा जेनेटिक और डीएनए बैकग्राउंड निकाल दिया. और तब और सिर्फ तब उन्होंने फैसला किया कि ठीक है, मैं उनसे शादी कर सकती हूं.

अक्षय कुमार ने मज़ाक में कहा कि इससे पहले उनकी कभी इस तरह मेडिकल जांच नहीं हुई थी. उन्होंने कहा, वह आग हैं, मैं पानी. वह जो चाहती हैं, कहती हैं. मैं बस खुद को शांत और चुप रहता हूं. बस सुनो और समझने की कोशिश करो कि वह क्या कहना चाह रही हैं. जो चाहो करो, लेकिन सुनो. मुझे लगता है कि हर पति को एक अच्छा सुनने वाला होना चाहिए. अक्षय की इस बात पर काजोल और सैफ जोर-जोर से हंसे.

ट्विंकल खन्ना ने सालों पहले किया था खुलासा

दिलचस्प बात यह है कि ट्विंकल ने साल 2016 में कॉफी विद करण में एक बार इसी बात की पुष्टि की थी और बताया था कि उनका कारण पूरी तरह से प्रैक्टिकल था. उन्होंने कहा, शादी का मकसद बच्चे पैदा करना होता है. इसलिए आप अपने परिवार में इस जेनेटिक्स को शामिल कर रहे हैं. मैं जानना चाहती थी कि उनके परिवार में कौन-कौन सी बीमारियां हैं. उनके चाचा और अंकल के बाल किस उम्र में झड़ गए थे ? कंचन चाची की मृत्यु किस बीमारी से हुई थी ?

सैफ अली खान

की पहली पत्नी अमृता के साथ कैसा था ननद सोहा का रिश्ता? कहा- मेरे लिए बहुत किया

सैफ अली खान और अमृता सिंह ने साल 1991 में शादी की थी, लेकिन दो बच्चों, बेटी सारा अली खान और बेटे इब्राहिम अली खान के जन्म के बाद साल 2004 में अलग हो गए. सैफ और अमृता के तलाक का असर उनके बच्चों के साथ-साथ उनके परिवार पर भी पड़ा था. सैफ की बहन सोहा अली खान ने हाल ही में बताया कि उन्होंने तलाक के बाद कैसे खुद को संभाला और अमृता के साथ अपने करीबी रिश्ता रखा.सोहा अली खान ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया, ये ऐसी चीज़ें हैं जिन पर आपका कोई कंट्रोल नहीं होता. ऐसा लगता है जैसे जब एक शादी टूट जाती है, तो उन परिवारों को भी किसी न किसी तरह के बदलाव और एडजस्टमेंट से गुजरना पड़ता है और हो सकता है कि कुछ समय बाद आपको अपना स्वतंत्र समीकरण मिल जाए, लेकिन यह जटिल है.

मैं उनके घर में रही हूं - सोहा

सोहा ने कहा, तो मुझे लगता है कि मेरे लिए अमृता ही वो शख्स थीं जिनके साथ मैं उनके घर में रही हूं. उन्होंने मेरा ख्याल रखा है. वो मुझे फोटोशूट के लिए ले गईं और बहुत कुछ किया. हमने साथ में स्क्रैबल खेला है. उन्होंने कहा कि नए पारिवारिक माहौल में ढलने में उन्हें थोड़ा समय लगा.

उन्होंने कहा, जब वह (सैफ और अमृता का) रिश्ता खत्म होता है, तो ज़ाहिर है, आप एक प्रक्रिया और बदलाव के दौर से गुज़रते हैं. सबसे पहले आप उन्हें अपना समीकरण बनाने देते हैं और फिर आपको भी उसी के भीतर अपना समीकरण बनाना होता है. इसलिए मुझे लगता है कि हम इसी दौर से गुज़रे हैं, और अब मुझे लगता है कि एक समझौता हो गया है. बच्चे बड़े हो गए हैं. आप एक तरह से खुद हो सकते हैं. सारा और इब्राहिम उस समय बहुत छोटे थे.

अब बात खत्म हो गई है - शर्मिला टैगोर

इससे पहले शर्मिला टैगोर ने कॉफी विद करण में आकर तलाक पर अपनी राय रखी थी. उन्होंने कहा, जब आप इतने लंबे समय से साथ हैं और आपके दो प्यारे बच्चे हैं, तो कोई भी ब्रेकअप आसान नहीं होता. उस दौर में सामंजस्य बिठाना मुश्किल होता है और इससे दुख होता है.

नांगलोई में ब्रह्माकुमारीज शिवानी दीदी का 'खुशनुमा जीवन जीने की कला' विषय पर प्रेरणादायक संबोधन

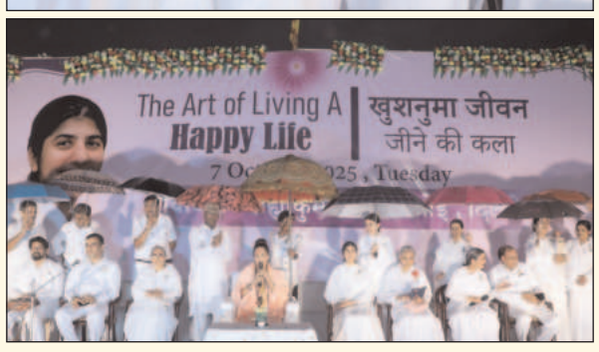

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली। दिल्ली के नांगलोई स्थित करण वाटिका में ब्रह्मकुमारीज नांगलोई सेंटर द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम खुशनुमा जीवन जीने की कला में विश्वविख्यात आध्यात्मिक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम में जीवन में सकारात्मकता, शांति और संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक उपायों पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम का आयोजन बीके आदेश दीदी एवं बीके सुलभा दीदी के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। बीके शिवानी दीदी ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा, ह्लजीवन में सच्ची खुशी बाहरी परिस्थितियों से नहीं, हमारे आंतरिक चिंतन और भावनाओं से आती है। इस दीवाली हमें केवल घर की सफाई नहीं, मन की सफाई भी करनी है – क्रोध, ईर्ष्या, चिंता को छोड़कर प्रेम, धैर्य और करुणा को अपनाना है।ह्व कार्यक्रम में नांगलोई क्षेत्र के कई गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया और ब्रह्मकुमारीज संस्था द्वारा समाज में शांति और सद्भावना के प्रयासों की सराहना की। अतिथियों को संस्था की ओर से सम्मानित भी किया गया।कार्यक्रम के अंत में बीके शिवानी दीदी ने सभी से आह्वान किया कि वे इस दीवाली आत्म-परिवर्तन का संकल्प लें और अपने जीवन को न केवल खुशहाल, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बनाएं।

वायु सेना दिवस: हिंडन एयरबेस पर दिखी भारतीय वायुसेना की ताकत

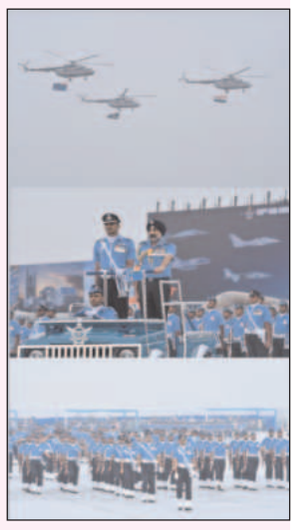

गाजियाबाद,। भारतीय वायुसेना ने बुधवार को अपने 93वें वायुसेना दिवस पर गाजियाबाद के हिंडन एयर बेस पर एक विशाल परेड आयोजित करके अपनी ताकत, शौर्य एवं पराक्रम का प्रदर्शन किया। परेड में राफेल, सुखोई और मिग-29 जैसे लड़ाकू विमानों के साथ-साथ भारत के स्वदेशी नेत्रा, सी-17 ग्लोबमास्टर, स्वदेशी आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, सी-130जे हरक्यूलिस, लॉन्गबो रडार से सुसज्जित अपाचे अटैक हेलीकाप्टर, एडवांस लाइट हेलीकाप्टर ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इससे पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने भारतीय वायु सेना, थल सेना और नौसेना के प्रमुखों के साथ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस साल भारतीय वायुसेना की 92वीं वर्षगांठ की थीम ह्लभारतीय वायुसेनाः सक्षम, सशक्त और आत्मनिर्भर है और यह दिवस ऑपरेशन सिंदूर के वीर योद्धाओं को समर्पित है। इस अवसर पर 97 वीरता पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने वायु योद्धाओं को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि सावधानीपूर्वक योजना, अनुशासित प्रशिक्षण और दृढ़ निश्चय के साथ क्या हासिल किया जा सकता है। उन्होंने हिंडन एयर बेस पर परेड का निरीक्षण किया और वायुवीरों को सम्मानित किया।

परेड के दौरान वायुसेना के विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों ने आसमान में अपनी कला का प्रदर्शन किया। विमानों से तिरंगा भी लहराया गया, जो देश के प्रति वायुसेना के समर्पण को दशार्ता है।

दंपति से 5 लाख रुपये उगाहने के लिए खुद के अपहरण का रचा स्वांग, गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। थाना फेस-3 पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने खुद के अपहरण का स्वांग रचा तथा एक महिला और उसके पति को अपहरण के मामले में फंसाने की कोशिश की।

थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि आज एक शिकायत के आधार पर दशरथ साहू नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उक्त व्यक्ति ने एक महिला कुसुम और उसके पति काशी रैकवार के साथ 24 सितंबर को अजनारा सोसाइटी के पास मारपीट की थी तथा 5 लाख रुपए की मांग की थी। पैसे नहीं देने पर इसने उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी थी। महिला ने इस मामले में 5 अक्टूबर को थाना फेस-3 में मुकदमा दर्ज करवाया था। पुलिस मामले की जांच कर रही थी।

थाना प्रभारी ने बताया कि जब महिला ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो आरोपित स्वयं घर से गायब हो गया। उसने अपहरण का झूठा ड्रामा रचकर महिला और उसके पति को डरा-धमकाकर 5 लाख रुपये की मांग की। आरोपित ने अपनी पत्नी को यह कहकर भ्रमित किया कि उसका कुसुम और उसके पति द्वारा अपहरण किया गया है। उन्होंने बताया कि घटना की जांच कर रही पुलिस ने आज दशरथ साहू को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह महिला और उसके पति को फंसाने के लिए अपहरण का झूठा नाटक कर रहा था। वह उनसे 5 लाख रुपये ऐंठना चाह रहा था।

आरोपित की उम्र 34 वर्ष है। उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

प्रयागराज: स्कूल का गेट गिरने से दबाकर बच्चे की मौत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित बहरिया थाना क्षेत्र के धमौर गांव के प्राथमिक विद्यालय का गेट गिरने से बुधवार को एक बच्चे की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई कर रही है।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि बहरिया थाने की पुलिस टीम को सूचना मिली कि ग्राम सभा धमौर निवासी इशू पाल (6) पुत्र मनोज पाल की आज सुबह घर के पास स्थित प्राथमिक विद्यालय का गेट गिरने से मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की।

पत्नी से अवैध संबंध के शक में चाचा ने भतीजे की कर दी हत्या

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के बबुरी गांव में मंगलवार देर रात एक चाचा ने अपनी पत्नी से अवैध संबंध के शक में अपने सगे भतीजे की हत्या कर दी। आरोपित ने पत्नी को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।

थानाध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने बुधवार को बताया कि बंधुआ कला थाना क्षेत्र के बबुरी गांव निवासी रमेश (28) बीती देर रात एक निमंत्रण से घर लौटे। उन्होंने पत्नी वंदना को सगे भतीजे विशाल (20) के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। इससे रमेश आग बबूला हो गया और उसने डंडे से विशाल को पीट-पीटकर मार डाला। इतना ही नहीं रमेश ने पत्नी वंदना को भी पीटा, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने वंदना को राजकीय मेडिकल कॉलेज के सर्जिकल वार्ड में भर्ती कराया। वंदना ने अस्पताल में बताया कि वह अपने ससुर और जेठानी के बेटे (भतीजे) के साथ घर पर बैठी थी, तभी उसके पति रमेश ने शक के चलते उन दोनों पर डंडे से हमला कर दिया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि विशाल के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपित ने रमेश को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

दो नामी बिल्डरों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के नोएडा में दो नामी बिल्डरों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोप है कि उन्होंने लाखों रुपए लेकर फ्लैट और कमर्शियल जगह उपलब्ध नहीं करवाई।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि दिल्ली में स्थित एनडब्ल्यूडी एंड सॉफ्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड की अधिकारी साक्षी बुद्धि राजा ने भूटानी इंफ्रा ,सीबीएसई इंटरनेशनल और उनके प्रतिनिधि पर 1.62 करोड रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए थाना सेक्टर 142 में मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि मामले में भूटानी इंफ्रा के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर प्रेम भूटानी के अलावा गौरव शर्मा, संजय रस्तोगी, आदित्य राज सक्सेना, नमन ,नसीम, साक्षी, माधुरी ,राजेश टंडन ,अमित, अनुराधा शर्मा के

एयरफोर्स डे पर गाजियाबाद में ट्रैफिक डायवर्जन

गाजियाबाद। गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर एयरफोर्स-डे के कार्यक्रम की वजह से ट्रैफिक पुलिस ने यातायात डायवर्जन प्लान लागू किया है। सुबह छह बजे से कार्यक्रम संपन्न होने तक भारी व्यावसायिक वाहनों का एयरफोर्स स्टेशन की तरफ जाने वाले रास्तों पर आवागमन पूरी तरह बंद है। इस दौरान ये वाहन वैकल्पिक रास्तों से होकर गए।

एडीसीपी यातायात सच्चिदानंद ने बताया कि एएलटी चौराहा से रोटरी गोलचक्कर, हिंडन रिवर मेट्रो स्टेशन से रोटरी गोलचक्कर और रोटरी गोलचक्कर से नागद्वार की ओर, करहेड़ा कट जीटी रोड से हिंडन एयरफोर्स गोलचक्कर की ओर, मोहननगर से हिंडन एयरफोर्स गोलचक्कर, करन गेट गोलचक्कर से हिंडन एयरफोर्स गोलचक्कर की ओर सभी प्रकार के भारी व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रही। इन वाहनों को डायवर्जन के दौरान वैकल्पिक रास्तों से निकाला गया। उन्होंने लोगों से अपील की कि ट्रैफिक पुलिस का सहयोग करें तथा किसी भी तरह की परेशानी होने पर यातायात नियंत्रण कक्ष के मोबाइल नंबर 9643322904 या यातायात निरीक्षक पंचम मनोज कुमार सिंह के मोबाइल नंबर 8130674912 पर संपर्क कर जानकारी ली जा सकती है।

पश्चिमी जिला डीएम ऑफिस द्वारा शेखर राव के "ड्रग्स फ्री इंडिया" मिशन को मिला विशेष समर्थन

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली। दिल्ली के राजौरी गार्डन स्थित पश्चिमी जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय (डीएम ऑफिस) में हाल ही में फलेगो सेरामनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व पश्चिमी जिला मजिस्ट्रेट वंदना राव, एडीएम और पटेल नगर एसडीएम नितिन शाक्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के निवासी शेखर राव भी मौजूद रहे, जो नशा मुक्त भारत अभियान के समर्थन में देशव्यापी जागरूकता यात्रा पर हैं। अपने ह्लड्रग्स फ्री इंडियाह्व मिशन के तहत शेखर राव ने अब तक तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान जैसे कई राज्यों का दौरा कर युवाओं और आम जनता को नशे से दूर रहने तथा सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया है। शेखर राव का यह प्रेरक अभियान अब अपने अंतिम चरण में पश्चिमी जिला डीएम ऑफिस पहुंचा है, जहां उन्होंने उपस्थित लोगों को जागरूक करते हुए समाज में नशा मुक्ति और स्वस्थ जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला।

नोएडा हाट में लगेगा स्वदेशी मेला

गौतम बुद्ध नगर। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी जिलों में 9 से 18 अक्तूबर के बीच स्वदेशी मेले के आयोजन का आदेश जारी कर दिया है।

मानक वीहिन कोचिंग संस्थानों पर होगी कार्रवाई, लगेगा जुमार्ना

महोबा। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद में संचालित कोचिंग सेंटर में बीते दिनों हुए विस्फोट की घटना के बाद मानक विहीन कोचिंगों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। प्रदेशभर में मानक विहीन चल रही कोचिंगों की जांच और कार्रवाई को लेकर जिला प्रशासन के साथ शिक्षा विभाग ने कमर कस ली है। इस क्रम में मानकों को ताक पर रखकर संचालित कोचिंग सेंटर पर 25 हजार से एक लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाने के डीआईओएस ने सख्त निर्देश दिए हैं।

प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक ने देवेंद्र कुमार ने बुधवार को बताया कि जनपद में कुल 23 कोचिंग सेंटर रजिस्टर्ड हैं। जबकि धरातल पर देखें तो गली गली में कुकुरमुत्ते की तरह कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं।

मकान मालिक की लापरवाही के चलते पेंटर को लगा करंट, मौत

गौतम बुद्ध नगर। थाना जेवर क्षेत्र के मुकीमपुर सिवारा गांव में रहने वाले एक व्यक्ति के घर पर पुताई करते समय पेंटर को वहां से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की लाइन से करंट लग गया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। पेंटर के भाई की शिकायत पर मकान मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस घटना की जांच कर रही है।

थाना जेवर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को मुकेश पुत्र चरण सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका भाई देवदत्त पुत्र चरण सिंह ग्राम मुकीमपुर के रहने वाले टिटू पुत्र तेजपाल के यहां अपने साथियों के संग मकान का पेंट करने के लिए 7 अक्टूबर को गया था। पीड़ित के अनुसार उसके भाई और उसके अन्य साथी पुताई का काम कर रहे थे, तभी मकान मालिक टीटू ने कहा कि उसके मकान की छत और छज्जे की पुताई कर दो। जब देवदत्त और उसके साथियों ने कहा कि वहां से 11 हजार वोल्ट की लाइन गुजर रही है आप लाइट कटवा दो उसके बाद हम पुताई करेंगे। पीड़ित के अनुसार टीटू ने कहा कि हमने लाइट कटवा दी है। आप पुताई करो। पीड़ित के अनुसार उसके भाई तथा उसके अन्य साथी सौरव और श्यामवीर ने पुताई का काम शुरू कर दिया। इसी बीच छज्जे पर पुताई करते समय वहां से गुजर रही हाई वोल्टेज बिजली की तार से पीड़ित के भाई देवदत्त को करंट लग गया। वह छज्जे से नीचे गिर पड़ा। जब उसके अन्य साथियों ने देवदत्त को अस्पताल में भर्ती करवाने के लिए कहा तो टीटू वहां से भाग गया। उसे उसके अन्य साथियों ने जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया। वहां पर डॉक्टरों ने देवदत्त को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर टीटू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वह फरार है उसकी तलाश की जा रही है।

संत निरंकारी मिशन की सहभागिता में वैश्विक युवा महोत्सव 2025 का सफल आयोजन

अशमीत कौर

दिव्य दिल्ली। "अहिंसा, शांति एवं सर्वधर्म समभाव" जैसे महात्मा गांधी के शाश्वत आदर्शों को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने तथा वैश्विक एकता की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गांधी ग्लोबल फैमिली (जीजीएफ), नेशनल यूथ प्रोजेक्ट (एनवाईपी) एवं संत निरंकारी मिशन (एसएनएम) के संयुक्त तत्वावधान में 2 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2025 तक संत निरंकारी सत्संग भवन, असंध रोड, पानीपत में "वैश्विक युवा महोत्सव 2025" का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। इस सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में भारत सहित विभिन्न देशों से लगभग 400 युवा प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की, जिससे यह आयोजन विचारों, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मानवता के संदेश का एक सशक्त मंच बनकर उभरा। प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक चलने वाले विविध कार्यक्रमों में योग सत्र, श्रमदान, संवाद, भाषाओं की कक्षाएँ तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं। देश-विदेश से पधारे युवा कलाकारों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना

को साकार किया। सभी प्रतिभागियों के लिए आयोजकों द्वारा नि:शुल्क आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे सहभागिता सहज, सुगम एवं सशक्त बनी रही। 3 अक्टूबर को महोत्सव का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गांधी ग्लोबल फैमिली के अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री श्री गुलाम नबी आजाद जी उपस्थित रहे। उनके साथ मंच पर संत निरंकारी मिशन के सचिव श्री जोगिंदर सुखीजा एवं नेशनल यूथ प्रोजेक्ट के सचिव श्री रण सिंह परमार भी विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम के विभिन्न दिवसों में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों और समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की सार्थकता को और भी बढ़ाया।

संत निरंकारी मिशन की ओर से संत निरंकारी मंडल के मेंबर इंचार्ज, प्रैस एवं पब्लिसिटी विभाग श्री राकेश मुटरेजा एवं कॉर्डिनेटर, प्रचार विभाग श्री हेमराज शर्मा की सक्रिय भागीदारी उल्लेखनीय रही। उन्होंने युवाओं को मिशन के मूलभूत सिद्धांतों – "ईश्वर की एकता, मानव की एकता, और धर्म का सार ह्न प्रेम" – से परिचित कराया और बताया कि किस प्रकार आध्यात्मिक समरसता, सेवा और शांति के माध्यम से विश्व बंधुत्व की स्थापना संभव है।

शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर 55 लाख 62 हजार रुपये की ठगी

गौतम बुद्ध नगर। साइबर क्राइम थाना पुलिस में एक व्यक्ति ने शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाले अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। उसने बताया कि साइबर अपराधियों ने उसे अपने जाल में फंसाया तथा उससे 55 लाख 62 हजार रुपये की ठगी कर ली।

Published, printed and owned by Rajesh Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi –110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi –110063 Editor Rajesh Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. – 9873104569, RNI No. – DLHIN/25/A2321